7 अक्टूबर, 2024 को श्रीनगर में चुनाव परिणाम से एक दिन पहले, जम्मू और कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए मतगणना केंद्र, शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर के बाहर सुरक्षाकर्मी गश्त कर रहे हैं।

जनहितैषी

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:29 अंक:297 दिनांक:08-10-2024 मंगलवार मूल्य:1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

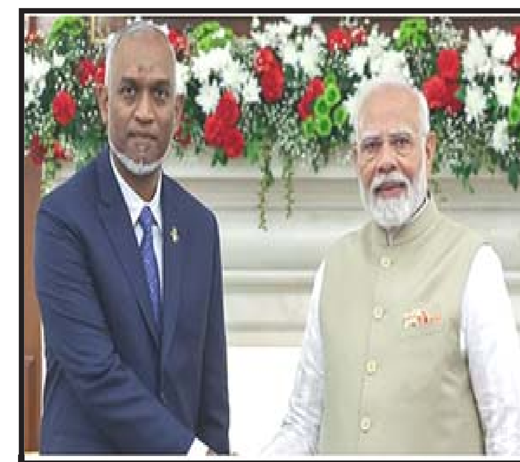

भारत की ओर से मालदीव के लिए बजट में कटौती और चेतावनी के बाद राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू पांच दिवसीय दौरे पर भारत आए हैं। सोमवार को उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी को मालदीव आने का निमंत्रण दिया

पार्टियों के दावों और एग्जिट पोल के अनुमानों की परीक्षा आज...कड़ी सुरक्षा के बीच होगी मतगणना...

हरियाणा में कांग्रेस ने शुरू की मुख्यमंत्री चुनने की तैयारी, जम्मू-कश्मीर में भी बढ़ी हलचल

आज हरियाणा, जम्मू-कश्मीर में किसकी मंगल

-जम्मू-कश्मीर में किंगमेकर साबित होगी पीडीपी

नई दिल्ली(ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर और हरियाणा में विधानसभा चुनाव संपन्न होने के बाद अब सभी को इंतजार नतीजों का है। दोनों ही राज्यों में विधानसभा चुनाव के परिणाम मंगलवार को आएंगे। वोटों की गिनती सुबह 8 बजे से शुरू होगी। सबसे पहले डाक मतपत्रों की गिनती होगी। इसके बाद इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों में दर्ज वोटों की काउंटिंग की जाएगी। मतदान के बाद से ही भाजपा और कांग्रेस अपनी-अपनी जीत का दावा कर रही हैं। उधर, एग्जिट पोल में कांग्रेस दोनों राज्यों में मजबूत होकर उभरी है। इसको देखते हुए हरियाणा में कांग्रेस ने मुख्यमंत्री चुनने की तैयारी शुरू कर दी है, वहीं जम्मू-कश्मीर में भी हलचल बढ़ गई है। आज दोपहर तक स्थिति स्पष्ट हो जाएगी की हरियाणा, जम्मू-कश्मीर में किसकी मंगल होगा।

जम्मू-कश्मीर और हरियाणा में 90-90 विधानसभा सीटों पर चुनाव हुए हैं। ऐसे में सरकार बनाने के लिए 46 सीटें चाहिए। कांग्रेस को उम्मीद है कि हरियाणा में वह 10 साल बाद सत्ता में वापसी करेगी। दोनों ही राज्यों में मंगलवार को सुबह 8 बजे से वोटों की गिनती शुरू होगी। सबसे पहले पोस्टल बैलट की गिनती होगी। इसका इस्तेमाल दिव्यांग, सुरक्षा बल और कुछ सरकारी अधिकारियों सहित आवश्यक सेवाओं में शामिल लोगों जैसे चुनिंदा समूह ही कर सकते हैं। इसके बाद इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों में दर्ज वोटों की गिनती की जाएगी। हरियाणा और जम्मू-कश्मीर दोनों ही जगहों पर किसकी सरकार बनेगी ये दोपहर तक स्पष्ट हो जाएगा। यह चुनाव जम्मू और कश्मीर में आर्टिकल 370 हटाए जाने के बाद पहली बार हो रहे हैं, ऐसे में इनका विशेष महत्व है।जम्मू-कश्मीर में चुनाव तीन चरणों में हुए और एक अक्टूबर को आखिरी चरण की वोटिंग हुई थी। वहीं हरियाणा में विधानसभा चुनाव को लेकर 5 अक्टूबर को मतदान हुआ। वोटिंग के तुरंत बाद अलग-अलग एजेंसी के एग्जिट पोल भी सामने आए हैं। जिसमें ये अनुमान लगाया गया कि आखिर दोनों राज्यों में किस पार्टी की सरकार बनने के आसार हैं। चुनाव परिणाम से पहले सामने आए ज्यादातर एग्जिट पोल्स में जम्मू-कश्मीर में त्रिशंकुविधानसभा होने की संभावना जताई जा रही है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि क्या एनसी-कांग्रेस गठबंधन को बढ़त मिलने की स्थिति में पीडीपी 'किंगमेकर' की भूमिका निभाएगी?

40 फीसदी से ज्यादा वोट तभी बनेगी कांग्रेस सरकार

पिछले कुछ चुनाव के ट्रेंड के मुताबिक कांग्रेस तभी अकेले सरकार बना पाएगी जब उसे 40 फीसदी से ज्यादा वोट मिलेंगे। 2005 में कांग्रेस को 42.5 फीसदी वोट मिला था। उस दौरान कांग्रेस को 67 सीटे मिली थी। 2009 में 40 फीसदी से कम वोट मिले तो कांग्रेस की सीटें खिसककर 40 पहुंच गई। वहीं, कांग्रेस के वोट प्रतिशत बढ़ने और भाजपा के वोट बैंक स्थिर रहने पर तीसरे दल की भूमिका भी खत्म होती है। 2005 में 42 फीसदी वोट मिलने पर तीसरे दल की कोई भूमिका नहीं थी। वहीं, 2019 में जब कांग्रेस का वोट प्रतिशत 30 फीसदी से नीचे आया तो तीसरे दल की भूमिका के रूप में जजपा उभकर कर सामने आई। कांग्रेस इस बात को अच्छी तरह से समझती है, इसलिए उसने इस चुनाव में तीसरे दल भूमिका को सामने नहीं आने दिया। आप से गठबंधन नहीं किया और इनेलो व जजपा को भी कोई भाव नहीं दिया। दूसरी तरफ भाजपा का पिछले चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ गया था, लेकिन सीटें कम हो गई थी। पिछली बार भाजपा को 36.7 फीसदी वोट मिला था। सीटें 40 आई थीं। 2014 में 33.3 फीसदी वोट मिला था और सीटें 47 आई थीं।

जम्मू-कश्मीर में 10 हजार कर्मचारी संभालेंगे डयूटी

जम्मू-कश्मीर में 10 वर्ष बाद हुए विधानसभा चुनाव की मतगणना में विधानसभा की 90 सीटों के 873 उम्मीदवारों का भाग्य तय होगा। जिला मुख्यालयों के अलावा प्रदेश के दोनों राजधानी शहरों जम्मू व श्रीनगर में मतगणना केंद्र बनाए गए हैं। मतगणना की निगरानी के लिए 700 पर्यवेक्षक भी तैनात रहेंगे। कश्मीर में भी मतगणना केंद्रों की कड़ी सुरक्षा रहेगी। केंद्रशासित प्रदेश के 20 जिलों की 90 विधानसभा सीटों के लिए मतगणना सुबह आठ बजे शुरू होगी। संबंधित जिले के विधानसभा क्षेत्रों के उम्मीदवारों के अधिकृत काउंटिंग एजेंटों, मतगणना की जिम्मेदारी संभालने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों को छोडक़र किसी को भी काउंटिंग सेंटर के अंदर जाने की इजाजत नहीं होगी। 20 काउंटिंग सेंटरों में होने वाली मतगणना पर चुनाव आयोग के पर्यवेक्षकों की पैनी नजर रहेगी। 10 हजार कर्मचारी व अधिकारियों की डयूटी लगी है। मतगणना केंद्रों के भीतर सीसीटीवी कैमरे भी रहेंगे जो मतगणना प्रक्रिया की निगरानी और रिकार्डिंग भी करेंगे। मतगणना की वीडियो रिकार्डिंग भी होगी। मतगणना सुचारु हो इसे को लेकर लगातार प्रशासनिक बैठकें हो रही हैं।

5 विधायक आज होंगे मनोनीत

जम्मू-कश्मीर में 8 अक्टूबर को विधानसभा चुनाव के रिजल्ट के तुरंत बाद 5 विधायकों को मनोनीत किया जाएगा। गृह मंत्रालय के आदेश पर जम्मू-कश्मीर के लेफ्टिनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा 5 लोगों को विधानसभा के लिए नॉमिनेट करेंगे। ऐसे में विधायकों की कुल संख्या 95 हो जाएगी और बहुमत का आंकड़ा बढक़र 48 हो जाएगा। दरअसल, 370 हटने के बाद जम्मू-कश्मीर रीऑर्गेनाइजेशन एक्ट 2019 के तहत विधानसभा में 5 विधायकों को एलजी नामांकित कर सकते हैं। यह नियम महिलाओं, कश्मीरी पंडितों और पीओके के प्रतिनिधित्व के लिए लाया गया था। जुलाई 2023 में इसे संशोधित किया गया था। इन मनोनीत विधायकों को विधानसभा में वोटिंग के अधिकार के साथ-साथ सभी विधाई शक्तियां और विशेषाधिकार मिलेंगे। 10 में से 5 एग्जिट पोल के नतीजों में जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस-एनसी की सरकार बनते दिख रही है। 5 में हंग असेंबली का अनुमान है। ऐसे में नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस ने आशंका जताई है कि ये विधायक भाजपा को सपोर्ट कर सकते हैं।

रेप-मर्डर केस में सीबीआई ने पहली चार्जशीट दाखिल की

ट्रेनी डॉक्टर का नहीं हुआ गैंगरेप

-चार्जशीट में संजय रॉय को इकलौता आरोपी बनाया

कोलकाता(ईएमएस)। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में ट्रेनी डॉक्टर से रेप-मर्डर केस में सीबीआई ने पहली चार्जशीट दाखिल की है। इसमें जांच एजेंसी ने ट्रेनी डॉक्टर से गैंगरेप की आशंका को नकार दिया है। एजेंसी का कहना है कि वारदात को संजय रॉय ने अकेले अंजाम दिया था। करीब 100 गवाहों के बयानों और 12 पॉलीग्राफ टेस्ट करने के बाद सीबीआई इस नतीजे पर पहुंची।

पुलिस ने संजय को घटना के अगले दिन 10 अगस्त को अरेस्ट किया था। 9 अगस्त की सुबह अस्पताल के सेमिनार हॉल में पीडित की अर्धनग्न डेडबॉडी मिली थी। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में बताया गया था कि विक्टिम की दोनों आखों, मुंह और प्राइवेट पार्ट से खून बह रहा था। गर्दन की हड्डी भी टूटी थी। हालांकि संजय अब तक खुद को बेगुनाह बता रहा है। संजय को पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज से पहचाना था। फुटेज में वह 9 अगस्त की सुबह 4 बजे सेमिनार हॉल में अंदर जाता दिखाई दिया। इस दौरान उसने कानों में इयरफोन लगाया हुआ था। करीब 40 मिनट बाद वह हॉल से बाहर निकला तो उसके पास इयरफोन नहीं था। पुलिस को क्राइम सीन पर एक ब्लूटूथ इयरफोन मिला था, जो उसके फोन से कनेक्ट हो गया था।

भारत की पड़ोसी प्रथम पॉलिसी.....मालदीव को पीने का पानी और कोविड टीके देने में देरी नहीं की

राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के साथ पीएम मोदी की चर्चा

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत की पड़ोसी प्रथम पॉलिसी और सागर विजन में मालदीव का महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों ने आपसी सहयोग को रणनीतिक दिशा देने के लिए व्यापक, आर्थिक और समुद्री सुरक्षा साझेदारी विजन अपनाया है। प्रधानमंत्री मोदी ने हैदराबाद हाउस में मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के साथ संयुक्त रूप से मीडिया को संबोधित किया।

पीएम मोदी ने कहा, दोनों पड़ोसी देशों ने मुक्त व्यापार समझौते पर चर्चा करने का फैसला किया है। साथ ही मुद्रा में व्यापार निपटाने पर भी काम होगा। पीएम मोदी ने दोनों देशों के बीच सदियों पुराने संबंधों का हवाला देकर कहा कि भारत मालदीव का सबसे करीबी पड़ोसी और मित्र है।

पीएम मोदी ने कहा, चाहे मालदीव के लोगों के तक जरूरी वस्तुओं को पहुंचाना हो, प्राकृतिक आपदा के दौरान पीने का पानी उपलब्ध कराना हो या कोविड के दौरान टीके उपलब्ध कराना हो, भारत ने हमेशा एक पड़ोसी के रूप में अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाई है। दोनों नेताओं ने डेवलपमेंट पार्टनरशिप, ऊर्जा, व्यापार, वित्तीय जुड़ाव और रक्षा सहयोग सहित विभिन्न क्षेत्रों में रिश्तों को और गहरा करने के लिए व्यापक चर्चा की और कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए।

पीएम मोदी ने कहा, सोमवार को हम दोनों ने रीडेवलप्ड हनीमाधू एयरपोर्ट का उद्घाटन किया। अब ग्रेटर माले कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट में भी तेजी लाई जाएगी। थिलाफुशी में एक नए कमर्शियल बंदरगाह के विकास के लिए भी मदद दी जाएगी। आज भारतीय सहायता से तैयार 700 से अधिक सोशल हाउसिंग यूनिट्स भी सौंपी गई। भारत और मालदीव को यूपीआई से जोड़ने के लिए काम होगा। मालदीव के तटरक्षक जहाज हुरवी की मरम्मत का काम भी भारत सरकार द्वारा नि:शुल्क करेगी। मालदीव में रुपे कार्ड के लॉन्च के अलावा, दोनों नेताओं ने हनीमाधू अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (एच आईए) के नए रनवे का भी उद्घाटन किया। इसके पहले, मोहम्मद मुइज्जू और प्रथम महिला साजिदा मोहम्मद का राष्ट्रपति भवन में औपचारिक स्वागत किया गया। मुइज्जू को 21 तोपों की सलामी दी गई और उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री मोदी की उपस्थिति में गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण भी किया।

सीएसई और ईएसई से होगी रेलवे अधिकारियों की भर्ती

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र सरकार ने रेलवे अधिकारियों की भर्ती के लिए संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) द्वारा सिविल सेवा परीक्षा (सीएसई) और इंजीनियरिंग सेवा परीक्षा (ईएसई) की प्रक्रिया को फिर से अमल में लाने का फैसला किया है।

भारतीय रेलवे प्रबंधन सेवा (आईआरएमएस) के माध्यम से पर्याप्त नए तकनीकी कर्मचारी नहीं मिल पा रहे थे। ज्ञात हो कि आईआरएमएस एक एकीकृत रेलवे सेवा है जिसे केंद्रीय मंत्रिमंडल ने दिसंबर 2019 में मंजूरी दी थी। इससे पहले यूपीएससी सीएसई और ईएसई के माध्यम से रेलवे अधिकारियों के लिए भर्ती परीक्षा आयोजित करता था।

शनिवार को कार्मिक विभाग (डीओपीटी) ने एक कार्यालय ज्ञापन में कहा कि रेल मंत्रालय के प्रस्ताव पर विचार करते हुए उसने मंत्रालय में तकनीकी और गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के कर्मचारियों की विशिष्ट आवश्यकता पर विचार करते हुए यूपीएससी-सीएसई और यूपीएससी-ईएसई के माध्यम से भर्ती के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है।

डीओपीटी के पत्र के कुछ ही घंटों बाद रेल मंत्रालय ने यूपीएससी और दूरसंचार विभाग को पत्र लिखकर कहा कि अब यह निर्णय लिया गया है कि आईआरएमएस की भर्ती सीएसई और ईएसई के माध्यम से की जाएगी।

इसमें कहा गया है कि ईएसई के लिए नोडल मंत्रालय होने के नाते दूरसंचार ने नियमों को अधिसूचित किया है और 8 अक्टूबर तक आवेदन मांगे हैं। इसने दूरसंचार मंत्रालय और यूपीएससी से मौजूदा अधिसूचना में 225 इंजीनियरों की भर्ती में भागीदारी की अनुमति देने का अनुरोध किया।

इसमें आवेदन जमा करने की समयसीमा बढ़ाने का प्रस्ताव किया गया है, ताकि उम्मीदवारों को आवेदन करने का पर्याप्त अवसर मिल सके। पत्र के अनुसार, नई भर्तियों को आईआरएमएस (सिविल),आईआरएमएस (मैकेनिकल), आईआरएमएस (इलेक्ट्रिकल), आई आरएमएस (एस एंड टी) और आईआरएमएस (स्टोर) कहा जाएगा।

नॉमिनी नहीं है तो आपको होना पड सकता है परेशान

-परिवार को कई दिक्कतों का करना पड़ सकता है सामना

नई दिल्ली (ईएमएस)। नॉमिनी का नाम न होने पर आपके निधन के बाद आपकी संपत्ति या बैंकों में जमा राशि को पाने के लिए परिवार के सदस्यों को कानूनी प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता है, जिससे समय और पैसे की बर्बादी हो सकती है।

इसलिए जरूरी है कि आप अपनी संपत्तियों में नॉमिनी का नाम दर्ज कराएं, ताकि भविष्य में आपके परिवार को किसी कानूनी परेशानी का सामना न करना पड़े। नॉमिनी वह व्यक्ति होता है जिसे अकाउंट होल्डर की मृत्यु के बाद उसकी संपत्ति को संभालने का अधिकार मिलता है। यह व्यक्ति कोई भी हो सकता है, जैसे कि परिवार का सदस्य, दोस्त या परिचित। अकाउंट होल्डर जब चाहे अपने अकाउंट में नॉमिनी का नाम बदल सकता है। कई लोग नॉमिनी के रूप में किसी संस्था का नाम भी दर्ज करवा देते हैं। नॉमिनी का नाम दर्ज कराने का उद्देश्य केवल संपत्ति की देखरेख करना है, जबकि वसीयतनामा अलग होता है, जिसमें संपत्ति का मालिकाना हक किसी को सौंपा जाता है।

नॉमिनी का काम अकाउंट होल्डर की संपत्ति को कानूनी वारिसों तक पहुंचाना होता है। हालांकि, अगर नॉमिनी खुद कानूनी वारिस है, तो वह उस संपत्ति को अपने पास रख सकता है। जब अकाउंट होल्डर का निधन हो जाता है, तो बैंक या अन्य वित्तीय संस्थान जमा राशि नॉमिनी को दे देते हैं। इसके बाद नॉमिनी की जिम्मेदारी होती है कि वह यह धनराशि मृतक के कानूनी वारिसों को सौंपे। अगर नॉमिनी ऐसा नहीं करता, तो यह विवाद कानूनी वारिसों और नॉमिनी के बीच का मामला बन जाता है, जिसमें बैंक की कोई भूमिका नहीं होती। बैंक अकाउंट, इंश्योरेंस, डीमैट अकाउंट, एफडी आदि में नॉमिनी का नाम दर्ज करवाना बेहद जरूरी होता है। जानकारों के अनुसार, अकाउंट होल्डर को नॉमिनी के रूप में ऐसे व्यक्ति का नाम दर्ज कराना चाहिए जो कानूनी वारिस हो, ताकि भविष्य में परिवार को किसी कानूनी समस्या का सामना न करना पड़े।

अकाउंट खोलने के बाद भी नॉमिनी का नाम जोड़ा या बदला जा सकता है, और एक से अधिक नॉमिनी भी दर्ज किए जा सकते हैं। अगर अकाउंट में नॉमिनी का नाम नहीं है, तो बैंक या इंश्योरेंस कंपनी मृतक की संपत्ति सीधे किसी भी परिवार के सदस्य को नहीं देगी। बैंक को कानूनी दस्तावेज़ों की आवश्यकता होती है, जो अदालत से जारी किए जाते हैं। ऐसे में अगर परिवार के सदस्यों के बीच संपत्ति को लेकर विवाद हो जाए, तो मामला अदालत तक पहुंच सकता है।

परीक्षाओं के पेपर लीक करता था पूर्व प्रिंसिपल घोष.....सीबीआई को मिले सबूत

आशीष पांडेय के जरिए घूस के पैसे मंगवाता था

कोलकाता (ईएमएस)। आर.जी कर मेडिकल कॉलेज में वित्तीय अनियमितताओं से जुड़े मामले की जांच के दौरान सीबीआई को अब मेडिकल कॉलेज की परीक्षाओं के पेपर लीक करने के लिए पैसे लेने के कुछ नए सबूत मिले हैं। सीबीआई ने पता लगाया है कि पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष अपने घर में काम करने वाले आशीष पांडेय के जरिए घूस के पैसे मंगवाते थे, इसके बदले छात्रों को परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक कराते थे। खुलासे में सामने आया है कि जूनियर डॉक्टरों और छात्रों के एक वर्ग ने पिछले कुछ सालों में शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना, बेहिसाब पैसे की वसूली, परीक्षा में फेल करने की धमकी और यौन दुराचार को लेकर कॉलेज परिसर में अपनी जागीर बना लिया था। विशेष कॉलेज परिषद ने 59 आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर उन्हें कड़ी सजा सुनाई है। 6 छात्रों को चेतावनी देकर छोड़ा गया, जबकि बाकी सभी को छह महीने से एक साल तक के लिए परिसर से निष्कासित कर दिया गया है।

कॉलेज परिषद ने 59 आरोपियों की एक सूची बनाई है, जिसमें 36 जूनियर डॉक्टर और 23 छात्र शामिल हैं। आरोपों की गंभीरता के आधार पर उन्हें तीन समूहों में वर्गीकृत किया गया है। जूनियर डॉक्टरों और छात्रों ने बताया कि घोष के प्रिंसिपल बनने के बाद से गुट का आतंक बढ़ा है। इस मामले में आशीष पांडे और रेडियोथेरेपी विभाग के वरिष्ठ रेजिडेंट सौरव पॉल के नाम भी सामने आए हैं। पांडे सीबीआई की हिरासत में हैं, और पॉल भी जांच के दायरे में हैं। दोनों को काउंसिल द्वारा सबसे सख्त कार्रवाई के तहत कॉलेज और छात्रावास से निष्कासित किया गया है।

सीबीआई अब घोष और पांडे के बैंक खातों की गहन जांच कर रही है ताकि अवैध लेन-देन के बारे में और सुराग मिल सकें। इसके अलावा, घोष पर टेंडर प्रक्रिया में खेल करने और शवों को बेचने के आरोप भी लगे हैं। सीबीआई जांच में कई बड़े अधिकारियों के नाम भी सामने आए हैं, जो पश्चिम बंगाल मेडिकल काउंसिल के साथ घोष के संबंधों में शामिल हैं। इस मामले में कार्रवाई जारी है, और जल्द ही और खुलासे होने की संभावना है।

ऑस्ट्रेलिया राजदूत ने किया अरुणाचल प्रदेश का दौरा, चीन को लगेगी मिर्ची

नई दिल्ली,(ईएमएस)। चीन अपने पड़ोसी देशों को उकसाने और दबाव बनाने की कोशिश करता है। चीन की हरकतों से ऑस्ट्रेलिया ने ऐसा कदम उठाया है जिससे चीन को मिर्ची लग सकती है। भारत में ऑस्ट्रेलिया के राजदूत फिल ग्रीन ने अरुणाचल प्रदेश का दौरा किया और वहां के सीएम पेमा खांडू से मुलाकात की। यह कदम खास इसलिए कि चीन अरुणाचल प्रदेश पर अपना दावा करता रहा है कि यह उसका हिस्सा है।

चीन ने कई बार अरुणाचल प्रदेश और लद्दाख के सीमावर्ती इलाकों में तनावपूर्ण स्थितियां पैदा की हैं, जिनका भारत ने मुंहतोड़ जवाब भी दिया है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के संबंध मजबूत माने जाते हैं, और यह यात्रा उस साझेदारी को और भी मजबूत करती है। फिल ग्रीन ने अपनी अरुणाचल यात्रा के बारे में अपने एक्स पर पोस्ट में लिखा- अरुणाचल प्रदेश पहुंचा हूं। यह मेरा 18वां भारतीय राज्य है, जिसे मैंने अपने कार्यकाल के दौरान दौरा किया है। यहां के लोगों से सीखने और हमारे संबंधों को और गहरा करने की उम्मीद है।

उन्होंने अपनी पोस्ट अरुणाचल के सीएम पेमा खांडू और ऑस्ट्रेलियन कॉन्सुलेट जनरल को टैग भी किया। भारत और ऑस्ट्रेलिया क्वाड के सदस्य हैं, जो चीन के विस्तारवादी नीतियों के खिलाफ बना संगठन है। इस संगठन में अमेरिका और जापान भी शामिल हैं। साउथ चाइना-सी में चीन के प्रभाव को रोकने के लिए अमेरिका और उसके सहयोगी देश हर संभव कोशिश कर रहे हैं और भारत भी मानता है कि चीन के विस्तारवादी कदम खतरनाक हैं। लद्दाख में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच चल रहे विवाद के बाद से दोनों देशों के बीच तनाव की स्थिति बनी हुई है। अब तक इस सीमा विवाद का कोई ठोस समाधान नहीं निकला है।

खड़गे का आरोप, मोदी अर्थशास्त्र ......अर्थव्यवस्था के लिए अभिशाप

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आर्थिक नीतियों की तीखी आलोचना की है, कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने मोदी अर्थशास्त्र को भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए अभिशाप करार दिया। खड़गे ने कहा कि पीएम मोदी के पुराने भाषण उनकी विफलताओं को छिपा नहीं सकते और इन नीतियों ने देश की अर्थव्यवस्था को संकट में डाल दिया है।

खड़गे ने यूपीए और एनडीए के बीच निर्यात वृद्धि की तुलना की। उन्होंने बताया कि 2013-14 से 2022-23 तक घरेलू देनदारियों में 241 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, और घरेलू ऋण का जीडीपी के प्रतिशत के रूप में 40 प्रतिशत का स्तर अब तक का उच्चतम है। उन्होंने कहा कि भारतीय परिवारों की खपत महामारी के बाद उनकी आय से अधिक हो गई है, सितंबर 2024 में घर में बनी सब्जी की थाली की कीमत में पिछले वर्ष की तुलना में 11 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

खड़गे ने मेक इन इंडिया की विफलता का जिक्र कर कहा कि कांग्रेस-यूपीए के दौरान भारत के बढ़ते निर्यात के लाभों को मोदी की नीतियों ने त्याग दिया। उन्होंने विनिर्माण क्षेत्र की औसत वृद्धि दर में गिरावट का भी उल्लेख किया, यह बताकर कि 2014-15 से 2023-24 के बीच औसत वृद्धि दर सिर्फ 3.1 प्रतिशत रही, जबकि 2004-05 से 2013-14 के बीच यह 7.85 प्रतिशत थी। इसके अलावा, विनिर्माण में कार्यरत श्रमिकों का हिस्सा 15.85 प्रतिशत (2017-18) से घटकर 11.4 प्रतिशत (2023-24) हो गया है।

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने सूरत के हीरा कारीगरों की कठिनाइयों का जिक्र किया, जहां श्रमिकों के वेतन में 30 प्रतिशत तक की कटौती की गई है और प्रमुख हीरा इकाइयों को केवल सप्ताह में 4 दिन संचालित होने के लिए मजबूर किया गया है।

उन्होंने कहा कि पिछले 6 महीनों में 60 से अधिक हीरा कारीगरों ने आत्महत्या कर ली है। उन्होंने बताया कि अगस्त 2024 में मनरेगा के तहत काम की मांग घटकर सिर्फ 1.6 करोड़ रह गई है, जो अक्टूबर 2022 के बाद सबसे कम मासिक मांग है। खड़गे ने कहा, मोदी अर्थशास्त्र भारत की अर्थव्यवस्था के लिए एक अभिशाप है!

उत्तरी त्रिपुरा में दुर्गा पूजा के चंदे को लेकर हुए हिंसक सांप्रदायिक संघर्ष में एक व्यक्ति की मौत

अगरतला (ईएमएस)। उत्तरी त्रिपुरा जिले के कदमतला में दुर्गा पूजा के चंदे को लेकर हुए हिंसक सांप्रदायिक संघर्ष में एक व्यक्ति की मौत हो गई और सुरक्षाकर्मियों समेत कई अन्य घायल हो गए। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पूरे इलाके में कर्फ्यू लागू कर दिया गया है। सुरक्षा बलों ने फ्लैग मार्च किया है। प्रदेश के मुख्यमंत्री प्रोफेसर डॉ मानिक शाहा ने लोगों से शांति और सौहार्द्र बनाए रखने की अपील की है।

पुलिस की जानकारी के अनुसार असम-त्रिपुरा सीमा के पास स्थित कदमतला में हुई इस घटना को लेकर पूरे इलाके में तनाव की स्थिति बनी हुई है। हालांकि, फिलहाल स्थिति नियंत्रण में बतायी जा रही है। राज्य सरकार ने दो धार्मिक समूहों के बीच संघर्ष को रोकने के लिए बड़ी संख्या में सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया है।

सूत्रों के अनुसार यह घटना 6 अक्टूबर को उस समय हुई, जब कदमतला में रहने वाले मुस्लिम अल्पसंख्यक समुदाय का एक परिवार इलाज के लिए असम जा रहा था। रास्ते में उन्हें एक दुर्गा पूजा आयोजक ने रोककर कथित तौर पर उनसे चंदे की मांग की। इस दौरान उन लोगों में तीखी बहस के बाद हाथापाई हो गई।

इस टकराव के बाद मुस्लिम समुदाय के सदस्यों ने पूजा आयोजकों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए स्थानीय थाने के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। उनकी शिकायत के आधार पर एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। स्थिति तब और बिगड़ गई, जब उपद्रवियों ने स्थानीय बाजार पर हमला कर दिया और दुकानों में तोड़फोड़ और आगजनी की, जिससे तनाव और बढ़ गया। उपद्रवियों ने कई दुकानों में लूटपाट की और कुछ घरों पर भी हमला किया। आखिरकार, कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए स्थानीय प्रशासन ने बीएनएस अधिनियम की धारा 163 लागू कर दी।

ब्राजीलिया में 164 दिन सूखे का बना रिकॉर्ड

साओ पाउलो,(ईएमएस)। ब्राजील की राजधानी ब्राजीलिया ने 164 दिनों तक सबसे लंबे समय तक के सूखे का नया रिकॉर्ड बनाया है। राष्ट्रीय मौसम विज्ञान संस्थान ने बताया कि लंबे समय तक सूखे के कारण जंगलों में और घास के मैदानों में आग लगने की बड़ी घटनाएं हुईं। इससे पहले यह रिकॉर्ड 1963 में राजधानी ब्राजीलिया की स्थापना के तीन साल बाद बना था, जब लगातार 163 दिनों तक बारिश नहीं हुई थी। एक रिपोर्ट के मुताबिक ब्राजीलिया भीषण गर्मी से जूझ रहा है। गर्मी से लोगों का बुरा हाल है।

हरियाणा में कांग्रेस ने शुरू की मुख्यमंत्री चुनने की तैयारी, जम्मू-कश्मीर में भी बढ़ी हलचल

आज हरियाणा, जम्मू-कश्मीर में किसकी मंगल

-जम्मू-कश्मीर में किंगमेकर साबित होगी पीडीपी

नई दिल्ली(ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर और हरियाणा में विधानसभा चुनाव संपन्न होने के बाद अब सभी को इंतजार नतीजों का है। दोनों ही राज्यों में विधानसभा चुनाव के परिणाम मंगलवार को आएंगे। वोटों की गिनती सुबह 8 बजे से शुरू होगी। सबसे पहले डाक मतपत्रों की गिनती होगी। इसके बाद इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों में दर्ज वोटों की काउंटिंग की जाएगी। मतदान के बाद से ही भाजपा और कांग्रेस अपनी-अपनी जीत का दावा कर रही हैं। उधर, एग्जिट पोल में कांग्रेस दोनों राज्यों में मजबूत होकर उभरी है। इसको देखते हुए हरियाणा में कांग्रेस ने मुख्यमंत्री चुनने की तैयारी शुरू कर दी है, वहीं जम्मू-कश्मीर में भी हलचल बढ़ गई है। आज दोपहर तक स्थिति स्पष्ट हो जाएगी की हरियाणा, जम्मू-कश्मीर में किसकी मंगल होगा।

जम्मू-कश्मीर और हरियाणा में 90-90 विधानसभा सीटों पर चुनाव हुए हैं। ऐसे में सरकार बनाने के लिए 46 सीटें चाहिए। कांग्रेस को उम्मीद है कि हरियाणा में वह 10 साल बाद सत्ता में वापसी करेगी। दोनों ही राज्यों में मंगलवार को सुबह 8 बजे से वोटों की गिनती शुरू होगी। सबसे पहले पोस्टल बैलट की गिनती होगी। इसका इस्तेमाल दिव्यांग, सुरक्षा बल और कुछ सरकारी अधिकारियों सहित आवश्यक सेवाओं में शामिल लोगों जैसे चुनिंदा समूह ही कर सकते हैं। इसके बाद इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों में दर्ज वोटों की गिनती की जाएगी। हरियाणा और जम्मू-कश्मीर दोनों ही जगहों पर किसकी सरकार बनेगी ये दोपहर तक स्पष्ट हो जाएगा। यह चुनाव जम्मू और कश्मीर में आर्टिकल 370 हटाए जाने के बाद पहली बार हो रहे हैं, ऐसे में इनका विशेष महत्व है।जम्मू-कश्मीर में चुनाव तीन चरणों में हुए और एक अक्टूबर को आखिरी चरण की वोटिंग हुई थी। वहीं हरियाणा में विधानसभा चुनाव को लेकर 5 अक्टूबर को मतदान हुआ। वोटिंग के तुरंत बाद अलग-अलग एजेंसी के एग्जिट पोल भी सामने आए हैं। जिसमें ये अनुमान लगाया गया कि आखिर दोनों राज्यों में किस पार्टी की सरकार बनने के आसार हैं। चुनाव परिणाम से पहले सामने आए ज्यादातर एग्जिट पोल्स में जम्मू-कश्मीर में त्रिशंकुविधानसभा होने की संभावना जताई जा रही है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि क्या एनसी-कांग्रेस गठबंधन को बढ़त मिलने की स्थिति में पीडीपी 'किंगमेकर' की भूमिका निभाएगी?

40 फीसदी से ज्यादा वोट तभी बनेगी कांग्रेस सरकार

पिछले कुछ चुनाव के ट्रेंड के मुताबिक कांग्रेस तभी अकेले सरकार बना पाएगी जब उसे 40 फीसदी से ज्यादा वोट मिलेंगे। 2005 में कांग्रेस को 42.5 फीसदी वोट मिला था। उस दौरान कांग्रेस को 67 सीटे मिली थी। 2009 में 40 फीसदी से कम वोट मिले तो कांग्रेस की सीटें खिसककर 40 पहुंच गई। वहीं,

जन हितैषी

नशीले पदार्थों का कारोबार दवा के माध्यम से सबसे खतरनाक दौर पर

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में गुजरात की एटीएस और दिल्ली स्थित नारकोटिक्स कंट्रोल बोर्ड की संयुक्त टीम ने 907 किलो,1814 करोड रुपए कीमत की एमडी ड्रग्स बरामद की है। कुछ दिन पहले दिल्ली पुलिस ने 5600 करोड रुपए की एमडी ड्रग्स बरामद की है। दिल्ली पुलिस ने इसका मास्टरमाइंड तुषार गोयल को बताया है। एक सप्ताह के अंदर 7474 करोड रुपए की ड्रग्स बरामद होने से देश में राजनीतिक हलकों में तीव्र प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। पंजाब के अमृतसर में भी हजारों करोड रुपए की ड्रग्स बरामद हुई है। अमृतसर एयरपोर्ट में पकड़े गए अंतराष्ट्रीय ड्रग्स सिंडिकेट के प्रमुख जतिन्द्र सिंह की निशानदेही पर अमृतसर से नेपाल तक फैले नशे के कारोबार का बड़ा खुलासा हुआ है। गुजरात के मुद्रा पोर्ट से कुछ महीने पहले 23000 करोड रुपए से अधिक के नशीले पदार्थों की खेप पकड़े जाने का मामला उजागर हुआ था। इस मामले को बड़ी तेजी के साथ दबा दिया गया था नारकोटिक्स विभाग ने भी छुपी साध ली थी। केंद्र सरकार और राज्य सरकार ने भी इस मामले में कोई बयान जारी नहीं किया था। मीडिया ने भी उसे समय इस मामले को दवा लिया था। गुजरात के रास्ते से सारे देश भर में नशीले पदार्थों का कारोबार बड़ी तेजी के साथ पिछले कुछ वर्षों में फैला है। हरियाणा विधानसभा चुनाव में प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस ने नशीले पदार्थों के कारोबार को चुनाव का मुद्दा बनाया। इसके पहले पंजाब विधानसभा के चुनाव में उड़ता पंजाब युवाओं में नशे की आदत को लेकर यह मामला प्रकाश में आया था। जिसमें युवाओं को नशे की लत में डालने की बात कही गई थी। मुद्रा पोर्ट में जो नशीले पदार्थ जप्त हुए थे। उसको लेकर नारकोटिक्स विभाग और केंद्र सरकार ने आज भी चुप्पी साध रखी है। अब एक बार फिर नशीले पदार्थों की तस्करी का मामला तूल पकड़ने लगा है। अफगानिस्तान, पाकिस्तान के रास्ते, गुजरात होते हुए, भारत में नशीले पदार्थों का कारोबार बड़ी तेजी के साथ सभी राज्यों में फैला है। नशीले पदार्थों से दवा कंपनियों द्वारा बड़े पैमाने पर दवाइयां तैयार कर नशीली दवाइयां बेची जा रही हैं। ड्रग्स की गोलियां तैयार कर दवा के रूप में नशीले पदार्थों का कारोबार बड़े पैमाने पर स्कूल,कॉलेज,दवा की दुकानों से खुले आम हो रहा है। हर छोटे बड़े शहरों में नशीले पदार्थों का कारोबार करने वाले गैंग सक्रिय हो गए हैं। जो युवाओं को नशे की लत डालकर भारी कमाई कर रहे हैं। नशीले पदार्थों का कारोबार करने वाली गैंग स्कूल, कॉलेज,हॉस्टल तथा भीड़भाड़ वाले इलाकों में बड़े पैमाने पर ड्रग्स उपलब्ध करा रही है। एक बार नशे की लत लग जाती है। उसके बाद इस मनमाने कीमत पर बेचा जाता है। गुजरात के गृहमंत्री हर्ष सिंह संघवी ने 1814 करोड रुपए की ड्रग भोपाल से बरामद करने की जानकारी सोशल मीडिया के माध्यम से दी। गुजरात एटीएस पुलिस और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो दिल्ली ने भोपाल पुलिस को इसकी खबर नहीं लगने दी। गोपनीय तरीके से छापा डाला गया था। हरियाणा में जिस तरह से नशीले पदार्थों का कारोबार चुनावी मुद्दा बना। उसके बाद एकाएक नारकोटिक्स विभाग और गुजरात की पुलिस सक्रिय हुई है। भोपाल के औद्योगिक क्षेत्र की एक बंद बड़ी इकाई में एमडी ड्रग्स का निर्माण और वितरण का कारोबार अवैधानिक तरीके से किया जा रहा था। केवल एक फैक्ट्री से 1814 करोड रुपए की ड्रग्स बरामद होना इस बात की ओर इशारा करता है,कि सारे देश एमडी ड्रग्स के माध्यम से नशीले पदार्थों का कारोबार बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। एमडी ड्रग्स का रसायनिक नाम मिथाइल डायोक्सी मैथएंफेटामाइन है। इसको दवा और पाउडर के रूप में विकसित कर नशे के रूप में बेचा जाता है। इसका नशा कम से कम 6 घंटे तक बना रहता है। जो भी इस नशे का उपयोग करता है। उससे उत्तेजना आती है, उसे आनंद की अनुभूति होती है। नशा करने पर उसे लगता है, जैसे वह हवा में उड़ रहा है। इस कारोबार में अब अपराधी ही नहीं, वरन दवा विक्रेता, दवा निर्माता, भी शामिल हो गए हैं। जिसके कारण बड़ी तेजी के साथ भारत के युवा नशे के शिकार हो रहे हैं। इस मामले के तार पाकिस्तान, अफगानिस्तान, दुबई से भी जुड़े हुए हैं। पुलिस जांच में जानकारी लगी है। दुबई में बैठे ड्रग्स सिंडिकेट द्वारा भारत में नशे का कारोबार किया जा रहा है। मास्टरमाइंड वीरेंद्र बसोया से पंजाब में 10 करोड रुपए की जो कोकीन बरामद हुई है। उसे मामले की पूछताछ में जो जानकारी सामने आई है। उसके अनुसार इस अंतरराष्ट्रीय रैकेट में बड़े-बड़े राजनेता, अधिकारियों का संरक्षण होने से, यह कारोबार बड़ी तेजी के साथ भारत में फैल रहा है। नशीले पदार्थों को दवा के विभिन्न माध्यम जिसमें कफ सिरप और अन्य दवाइयां भी शामिल हैं। स्कूल,कॉलेजों के छात्रों के बीच में संभ्रांत परिवारों के युवाओं में नशे के रूप में घर-घर पहुंच गए हैं। एक बार आदत लगने के बाद आदत छूटती नहीं है। पहली बार नारकोटिक्स विभाग और कई राज्यों की पुलिस ने मिलकर एक साथ इस मामले में कार्रवाई की है। मध्य प्रदेश के बागरोदा औद्योगिक क्षेत्र की एक फैक्ट्री में मादक पदार्थ के रूप में मेफेड्रोन दवा का अवैध निर्माण किया जा रहा था। इस तरह की फैक्ट्रियां सभी राज्यों में चल रही हैं। इस कई राज्यों में सप्लाई की जा रही हैं पंजाब और मुंबई के बड़े-बड़े तस्करों द्वारा सुनयोजित रूप से नशे का कारोबार किया जा रहा है। नशे का यह कारोबार जिस तरह से बढ़ रहा है। गुजरात के रास्ते जिस तरह से नशे का कारोबार सारे देश भर में फैला है। नशे के इस अवैध कारोबार को राजनीतिक और प्रशासनिक संरक्षण मिलने के कारण ही यह तेजी के साथ देशभर में फैलता चला जा रहा है। इससे देश की सुरक्षा भी गहरे संकट में है। नशे के इस कारोबार में बड़े-बड़े राजनेता बड़े-बड़े अधिकारी और बड़े-बड़े अपराधियों का जो गठजोड़ बन गया है। वह चिंता का सबसे बड़ा कारण है।

बेहद शक्तिशाली हो चुकी है भारतीय वायुसेना

(भारतीय वायुसेना के स्थापना दिवस (8 अक्तूबर) पर विशेष)

भारतीय वायुसेना 8 अक्तूबर को अपना 92वां स्थापना दिवस मना रही है। प्रतिवर्ष इस विशेष अवसर पर वायुसेना अपने शौर्य और शक्ति का अभूतपूर्व प्रदर्शन करती है। इस बार अपने 92वें स्थापना दिवस से पहले भारतीय वायुसेना ने 6 अक्तूबर को चेन्नई के मरीना बीच पर भव्य एयर शो का आयोजन किया, जिसमें राफेल, मिग-29, तेजस, सुखोई-30 एमकेआई जैसे अत्याधुनिक फाइटर जेट्स सहित वायुसेना के कुल 72 विमानों ने अपनी ताकत और कुशलता का प्रदर्शन किया और जांबाज वायुवीरों ने भी अपने अदम्य साहस और शौर्य का प्रदर्शन किया। आसमान में वायुवीरों के प्रदर्शनों को देखकर हर कोई रोमांच से भर उठा। एयर शो का सबसे प्रमुख आकर्षण रहा ऐतिहासिक विरासत के रूप में दिखाया गया प्रथम विश्वयुद्ध में इस्तेमाल हुआ हार्वर्ड टी-6जी टैक्सन एयरक्राफ्ट, जिसे भारतीय वायुसेना ने वर्ष 1974 तक ट्रेनिंग के लिए इस्तेमाल किया था। राफेल, मिग-29, सुखोई-30 एमकेआई, तेजस जैसे फाइटर जेट्स, सारंग, लाइट कॉम्बैट हेलिकॉप्टर (प्रचंड), एडवांस्ड लाइट हेलिकॉप्टर (ध्रुव) जैसे हेलीकॉप्टर तथा सी-295, अपाचे, डकोटा, चेतक, जगुआर इत्यादि अन्य एयरक्राफ्ट भारतीय वायुसेना की अभेद्य ताकत बन चुके हैं। भारतीय वायुसेना दिवस के अवसर पर हर साल एयर शो आयोजित करने का प्रमुख उद्देश्य न केवल पूरी दुनिया को भारत की वायुशक्ति से रूबरू कराना है बल्कि युवाओं को वायुसेना में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करना भी है।

भारतीय वायुसेना में इस समय राफेल, सुखोई 30, मिराज 2000, जगुआर, तेजस, आरपीए 50, मिग-27, मिग-29 के अलावा हेलीकॉप्टर ध्रुव, चिनूक, चेतक, चीता, एमआई-8, एमआई-17, एमआई-26, एमआई-25 एचएएल लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर, एचएएल रुद्र इत्यादि अत्याधुनिक विमान शामिल हैं, जो किसी भी विकट स्थिति में दुश्मन को मुंहतोड़ जवाब देने में पूरी तरह सक्षम हैं। भारतीय वायुसेना को दुनिया की चौथी सबसे बड़ी सेना होने का गौरव हासिल है। देश की करीब 24 हजार किलोमीटर लंबी अंतर्राष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा की जिम्मेदारी भारतीय वायुसेना पूरी मुस्तैदी के साथ निभाती रही है और वायुसेना के बेड़े में दमदार लड़ाकू विमानों, हेलीकॉप्टरों तथा अत्याधुनिक मिसाइलों की संख्या निरन्तर बढ़ रही है, जिनके कारण हमारी वायुसेना अब पहले के मुकाबले कई गुना शक्तिशाली हो चुकी है। अब हम हवा में पहले के मुकाबले बहुत मजबूत हो चुके हैं और ताकत में दुश्मन की किसी भी तरह की हरकत का अधिक तेजी और ताकत के साथ जवाब देने में सक्षम हैं। भारत के मुकाबले चीन के पास भले ही दो गुना लड़ाकू और इंटरसेप्टर विमान हैं, भारत से दस गुना ज्यादा रॉकेट प्रोजेक्टर हैं लेकिन रक्षा विश्लेषकों के अनुसार चीनी वायुसेना भारत के मुकाबले मजबूत दिखने के बावजूद भारत का पलड़ा उस पर भारी है। रक्षा विशेषज्ञों के मुताबिक गिनती और तकनीकी मामले में भले ही चीन बहुत कुछ देश हमसे आगे हो सकते हैं लेकिन संसाधनों के सटीक प्रयोग और बुद्धिमता के चलते दुश्मन देश सदैव भारतीय वायुसेना के समक्ष थर्राते हैं। भारत के मिराज-2000 और एसयू-30 जैसे जेट विमान ऑल-वेदर मल्टीरोल विमान हैं, जो किसी भी मौसम में और कैसी भी परिस्थितियों में उड़ान भर सकते हैं। मिराज-2000, मिग-29, सी-17 ग्लोबमास्टर, सी-130जे सुपर हरक्यूलिस के अलावा सुखोई-30 जैसे लड़ाकू विमान करीब पौने चार घंटे तक हवा में रहने और तीन हजार किलोमीटर दूर तक मार करने में सक्षम हैं। एक बार में 4200 से 9000 किलोमीटर की दूरी तक 40-70 टन के पेलोड ले जाने में सक्षम सी-17 ग्लोबमास्टर एयरक्राफ्ट भी वायुसेना के बेड़े में शामिल हैं। चिनूक और अपाचे जैसे अत्याधुनिक हेलीकॉप्टर भी वायुसेना की मजबूत ताकत बने हैं। इनके अलावा भारत के पास दुश्मन के रडार को चकमा देने में सक्षम 952 मीटर प्रति सैकेंड की रफ्तार वाली ब्रह्मोस मिसाइलों सहित कई अन्य घातक मिसाइलें भी हैं, जिनकी मारक क्षमता से दुश्मन देश थर्राते हैं।

भारतीय वायुसेना की जांबाजी के अनेक किस्से दुनियाभर में विख्यात हैं। हमारी वायुसेना चीन के साथ एक तथा पाकिस्तान के साथ चार युद्धों में अपना पराक्रम दिखा चुकी है। भारतीय वायुसेना की स्थापना ब्रिटिश शासनकाल में 8 अक्तूबर 1932 को हुई थी और तब इसका नाम था 'रॉयल इंडियन एयरफोर्स'। 1945 के द्वितीय विश्वयुद्ध में रॉयल इंडियन एयरफोर्स ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उस समय वायुसेना पर आर्मी का ही नियंत्रण होता था। इसे एक स्वतंत्र इकाई का दर्जा दिलाया था इंडियन एयरफोर्स के पहले कमांडर-इन-चीफ सर थॉमस डब्ल्यू एल्महर्स्ट ने, जो हमारी वायुसेना के पहले चीफ एयर मार्शल बने थे। 'रॉयल इंडियन एयरफोर्स' की स्थापना के समय इसमें केवल चार एयरक्राफ्ट थे और इन्हें संभालने के लिए कुल 6 अधिकारी और 19 जवान थे। आज वायुसेना में डेढ़ लाख से भी अधिक जवान और हजारों एयरक्राफ्ट्स हैं। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् वायुसेना को अलग पहचान मिली और 1950 में 'रॉयल इंडियन एयरफोर्स' का नाम बदलकर 'इंडियन एयरफोर्स' कर दिया गया। एयर मार्शल सुब्रतो मुखर्जी इंडियन एयरफोर्स के पहले भारतीय प्रमुख थे। उनसे पहले तीन ब्रिटिश ही वायुसेना प्रमुख रहे। इंडियन एयरफोर्स का पहला विमान ब्रिटिश कम्पनी 'वेस्टलैंड' द्वारा निर्मित 'वापिती-2ए' था। बहरहाल, भारतीय वायुसेना ने समय के साथ बहुत तेजी से बदलाव किए हैं और काफी हद तक कमियों को दूर भी किया गया है। (लेखक-योगेश कुमार गोयल/ ईएमएस) (लेखक 34 वर्षों से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार तथा सामरिक मामलों के विश्लेषक हैं)

क्यों बनीं गाय महाराष्ट्र की राजमाता

आप मानें या न मानें लेकिन मुझे ये लग रहा है कि देश के तमाम चौपाये गाय की किस्मत से जल-भुन रहे होंगे,क्योंकि उसे महाराष्ट्र की सरकार ने राजमाता घोषित कर दिया है । राजमाता कहिये या राज्य माता अर्थ एक ही है। ये सम्मान पाने के लिए पुराने सामंतों परिवारों की महिलाएं तरस जाया करतीं थीं । पशुओं में तो किसी ने सोचा भी नहीं होगा कि कलिकाल में जाकर गाय किसी राज्य की राजमाता बन जाएगी। मै देश-दुनिया के तमाम चौपाया परिवार की और से गाय को इस सम्मान के लिए दिल से बधाई देता हूँ।

गाय देश का सबसे निरीह चौपाया है ,लेकिन भारतीय समाज में गाय को माता का दर्जा हासिल है तो एक बड़े हिस्से में उसके मांस को बड़ी लज्जत के साथ भक्षण भी किया जाता है। सनातनी तो गाय की पूंछ पकड़ कर वैतरणी पार करने का यकीन रखते हैं। पहले ये विश्वास मनुष्यों तक सीमित था लेकिन अब सियासत में भी सियासी दल चुनावी वैतरणी पार करने के लिए गाय को ठीक उसी तरह राजमाता बना रहे हैं जैसे की गधे को वक्त पड़ने पर बाप बनाया जाता है।

वैसे गाय और गधे की राशि एक ही है किन्तु दोनों के बीच लोई तुलना ,कोई बराबरी नहीं है। गाय को माता बनाया जाता है और गधे को बाप। ये सिद्धांत मेरे या आपके नहीं बल्कि भारतीय समाज के हैं। ये मानयताएं भी सनातन ही समझिये। जबसे मनुष्य ने गाय और गधे को अपना सहचर बनाया है शायद तभी से ये मान्यताएं,ये कहावतें समाज में प्रचलित हैं। अब यदि ये प्रचलित हैं तो निश्चित ही इनका कोई आधार भी रहा होगा। फ़िलहाल बात गाय की हो रही है।गाय और गधे में केवल एक ही समानता है की दोनों बड़े ही धैर्यवान हैं। हालाँकि दोनों को लात मारना आता है।

गाय पर हमारे पुरखा पत्रकार स्वर्गीय राजेंद्र माथुर ने भी लिखा और साथी गिरीश पंकज ने भी। महात्मा गाँधी ने गाय के बजाय बकरी को प्राथमिकता दी ,लेकिन उनकी कांग्रेस ने गाय को ही नहीं उसके बछड़े को और उसके पति बैल को भी सम्मान दिय। एक जमाना था जब कांग्रेस का चुनाव चिन्ह दो बैलों की जोड़ी होता था और बाद में ये गाय-बछड़ा भी बना। इस सात्विक चौपाये ने कांग्रेस की हमेशा मदद की। कांग्रेस को अनेक बार चुनावी वैतरणी पार करायीं। कांग्रेस को हुए फायदे को देखकर अब महाराष्ट्र सरकार ने गाय को अपने सूबे की राजमाता घोषित कर दिया। महाराष्ट्र में इस मर्तबा भाजपा की हालत पतली है। नबंवर में वहां विधानसभा के चुनाव होना हैं। ये चुनाव केवल कमल दिखाकर जीते नहीं जा सकते । किसी चेहरे को दिखाकर भी बात बनती नहीं दिखाई दे रही है ,ऐसे में गाय ही भाजपा और उसकी गठबंधन सरकार का एक मात्र सहारा है।

गाय सबका सहारा होती है । जब हम सब छात्र हुया करते थे तब गाय हमारा भी सहारा थी। परीक्षा में हर बार गाय पर निबंध लिखने का विकल्प होता था और हम बच्चे किसी और विषय पर निबंध लिखने के बजाय गाय पर निबंध लिखना पसंद करते थे। गाय केवल एक पशु ही नहीं बल्कि हमारी मान्यता भी है । हमारे समाज में गाय को सबसे सीधा चौपाया माना जाता है। उसके इसी स्वभाव की वजह से कहावत तक बन गयी । हमारे यहां अक्सर सीधे पुरुष और महिला को गाय ही कहा जाता है । कृषि प्रधान देश में एक जमाने में गाय को सचमुच राजमाताओं जैसा सम्मान मिलता था ,क्योंकि वे कृषि के लिए बैल जनती थीं। उस जमाने में जिस किसान के घर जितनी ज्यादा गायें और जितनी ज्यादा बैल जोड़ियां होतीं थीं,उसे उतना समृद्ध माना जाता था। घर-घर में गौशालाएं थीं। तब गायों को सड़कों पर गलियों में आवारगी करने की न छूट थी और न मजबूरी।

कालांतर में भारत कृषि प्रधान देश तो है किन्तु आज न किसानों का सम्मान है और न गायों का। अब खेती बैलों की जोड़ियों से नहीं मशीनों से होती है । बैलों की जगह ट्रेक्टरों ने ले ली है। कटाई मजदूरों के पेट पर हार्वेस्टर लात मार चुके हैं। ऐसे में गायों और बैलों का बेरोजगार और महत्वहीन होना स्वाभाविक है। अब गाय और बैल पाले कौन ? आज कि समय में तो आदमी के लिए अपना पेट पालना ही मुश्किल हो रहा है । 85 करोड़ लोग पेट पालने कि लिए सरकार पर निर्भर हैं। सरकार अपने वोटर पाले या गाय ? यहां तक कि गाय को राजमाता का सम्मान देने वाले भाजपा के कार्यकर्ता और नेता तक गाय या बैल नहीं पालते । उन्हें या तो आवारगी के लिए सड़कों पर छोड़ दिया जाता है ,या वे कत्लगाहों के काम आते है। जहाँ उनके मांस को डिब्बों में बंद कर बाजारों में बेच दिया जाता है। आप हैरान होंगे कि गाय-बैल का मांस बेचने वाले विधर्मी नहीं बल्कि सनातन धर्म के मानने वाले ही हैं। महाराष्ट्र सरकार ने गाय को राज्यमाता का दर्जा दे दिया है। यह बड़ा कदम चुनाव से पहले उठाया गया है। सरकार ने कैबिनेट बैठक में यह फैसला सुनाते हुए कहा कि वैदिक काल से भारतीय संस्कृति में देशी गाय की स्थिति, मानव आहार में देशी गाय के दूध की उपयोगिता रही है।

यह फैसला जारी करते हुए कहा गया कि वैदिक काल से भारतीय संस्कृति में देशी गाय की स्थिति, मानव आहार में देशी गाय के दूध की उपयोगिता, आयुर्वेद चिकित्सा,पंचगव्य उपचार पद्धति तथा जैविक कृषि प्रणालियों में देशी गाय के गोबर एवं गोमूत्र के महत्वपूर्ण स्थान को ध्यान में रखते हुए देशी गायों को अब से राज्यमाता गोमाता घोषित करने की मंजूरी दी गई है। हम महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को इस फैसले कि लिए बधाई देते हैं। हमें उम्मीद है कि देश में मणिपुर की जनता बचे या न बचे लेकिन अब महाराष्ट्र में तो गाय बच ही जाएगी । देश के जिन राज्यों में डबल इंजिन की सरकारें हैं वे भी आज नहीं तो कल गाय को राजमाता का दर्जा दे ही देंगीं।

भारत को कोई भी नागरिक,कोई भी मतदाता गाय को दिए गए इस सम्मान का विरोध नहीं कर सकता। करना भी नहीं चाहिए । आखिर गौशालाओं कि नाम पर पलने वाले नेता और बाबा भी तो बहुत हैं।

देश भले ही मंगल ग्रह पर पहुंच गया हो लेकिन विकास की हकीकत ये है कि आज भी सड़क परिवहन का एक बड़ा भाग आज भी बैलगाड़ी पर निर्भर है। देहाती ईंधन का अधिकांश भाग तथा शहरी ईंधन का लगभग 20 प्रतिशत भाग गोबर का होता है। गौ-दुग्ध में समस्त पोषक तत्व पाए जाते हैं। हरिजनों, पिछड़े वर्ग के लोगों और वनवासियों की आय का साधन भी गौ-वंश है। गाय से प्राप्त ऊर्जा पर्यावरण प्रदूषण फैलाने की जगह उसे रोकती है तथा दुग्ध पाउडर व रासायनिक खादों के रूप में देश से बाहर जाने वाली देशी मुद्रा की बचत करती। गाय केवल सियासत कि ही नहीं धार्मिक नेताओं कि काम भी आती है। ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती हिंदुओं के लिए पूज्य गायों की रक्षा के लिए देशभर में एक लाख 'गौ ध्वज' स्थापित करने कि अभियान में लग गए हैं।हमारे प्रधानमंत्री जी को आपने हाल में ही एक बछिया को किस डचुम्मा. करते हुए देखा ही होगा।

सरकारी आंकड़ों कि मुताबिक इस समय देश में गायों की संख्या 19 करोड़ से ज्यादा है। एक समय था, जब देश की जनसंख्या 38 करोड़ हुआ करती थी और गौ वंश 117 करोड़ हुआ करता था। आंकड़े बताते हैं कि बीफ एक्सपोर्ट में भारत अब विश्व में दूसरे नंबर पर पहुँच गया है। भारत 'मिथुन' और 'जलीय भैंस' का निर्यात कर रहा है। सन 2023 में भारत ने 1,475 टन बीफ और बछड़े का मांस एक्सपोर्ट किया है। खैर जो है सो है। अब यदि राजमाता बनने कि बाद हमारी गायों को राजमाताओं जैसा सुख भी मिलने लगे तो सबसे ज्यादा ख़ुशी मुझे होगी। क्योंकि मुझे भी गाय बहुत पसंद ह। मै यदि फ़्लैट में न रह रहा होता तो एक गाय जरूर पालता। (लेखक - राकेश अचल / ईएमएस)

माँ स्कंदमाता की पूजा से यश और संतान की प्राप्ति होती है

नवरात्रि के पांचवें दिन मां स्कंदमाता की पूजा की जाती है जो माँ दुर्गा का 5वॉ रूप हैं और। स्कंद शब्द का अर्थ है कार्तिकेय, जो भगवान शिव और माँ पार्वती के पुत्र और भगवान गणेश के भाई हैं, और माता का अर्थ है माँ। इसलिए माँ स्कंदमाता को भगवान कार्तिकेय या स्कंद की माँ माना जाता है, जिन्हें भारत के विभिन्न हिस्सों में मुरुगन या सुब्रमण्य के नाम से भी जाना जाता है।तारकासुर राक्षस का अंत केवल शिव पुत्र द्वारा ही संभव था। तारकासुर राक्षस का वद्ध करने के लिए मां पार्वित ने अपने पुत्र कार्तिकेय (जिनको स्कंद भी कहा जाता है) को दैत्य तारकासुर से युद्ध लड़ने के लिए प्रशिक्षित किया। जिसके लिए मां पार्वती को स्कंदमाता का रूप लेना पड़ा।

माँ स्कंदमाता को चार भुजाओं के साथ ममतामयी माँ है, जो अपने बेटे स्कंद या कार्तिकेय को गोद में और शेर पर सवार रहती हैं। वह अपने दोनों ऊपरी हाथों में कमल का फूल, अपने निचले दाहिने हाथ में बालक मुरुगन और दूसरे को अभय मुद्रा में रहती हैं। वह कमल के फूल पर भी विराजमान हैं, इसलिए देवी स्कंदमाता को देवी पद्मासना भी कहा जाता है स्कंदमाता का ममतामयी रूप है और इनकी पूजा करने से बुद्धि का विकास होता है और ज्ञान की प्राप्ति होती है। मान्यता है कि निसंतान दंपत्ति सच्चे मन से नवरात्रि के पांचवे दिन का व्रत रखती हैं और माता की पूजा-अर्चना करने से मां दुर्गा प्रसन्न होती है और संतान की प्राप्ति होती है इसके साथ यश और धन की भी प्राप्ति होती है। शुभ्र वर्ण वाली स्कंदमाता सिंह के अलावा कमल के आसान पर भी विराजमान रहती हैं इसलिए माता को पद्मासना भी कहा जाता है। सच्चे मन से पूजा करने पर स्कंदमाता सभी भक्तों की इच्छाओं को पूरी करती हैं और कष्टों को दूर करती हैं। संतान प्राप्ति के लिए माता की आराधना करना उत्तम माना गया है। माता रानी की पूजा के समय लाल कपड़े में सुहाग का सामान, लाल फूल, पीले चावल और एक नारियल को बांधकर माता की गोद भर दें। ऐसा करने से जल्द ही घर में किलकारियां गूंजने लगती हैं। स्कंदमाता मोक्ष का मार्ग दिखाती हैं और इनकी पूजा करने से ज्ञान की भी प्राप्ति होती है। माता का यह स्वरूप ममता की मूर्ति, प्रेम और वात्सल्य का साक्षात प्रतीक हैं।

छान्दोगय उपनिषद् के प्रवर्तक सनत्कुमार की माता भगवती का नाम स्कंद है। अपने सांसारिक स्वरूप में यह देवी सिंह पर विराजमान रहती हैं। इस दुर्गा का स्वरूप दोनों हाथों में कमलदल लिए हुए और एक हाथ से अपनी गोद में ब्रह्मस्वरूप सनत्कुमार को थामे हुए है। यह दुर्गा समस्त ज्ञान, विज्ञान, धर्म, कर्म और कृषि उद्योग सहित पंच आवरणों से समाहित विद्यावाहिनी दुर्गा भी कहलाती हैं। इस देवी की पूजा के दौरान धनुष बाण का अर्पण करना भी शुभ रहता है। स्कंद माता सूर्यमंडल की अधिष्ठात्रि देवी हैं इसलिए माता के चारों ओर सूर्य जैसा अलौकिक तजोमय मंडल व्याप्त है।

माता होने से कल्याणकारी शक्ति की अधिष्ठात्री देवी पांचवी दुर्गा स्कंदमाता के रूप में पूजी जाती हैं। अपने सांसारिक स्वरूप में यह देवी सिंह पर विराजमान हैं। इस दुर्गा का स्वरूप दोनों हाथों में कमलदल लिए हुए और एक हाथ से अपनी गोद में ब्रह्मस्वरूप सनत्कुमार को थामे हुए है। यह दुर्गा समस्त ज्ञान, विज्ञान, धर्म, कर्म और कृषि उद्योग सहित पंच आवरणों से समाहित विद्यावाहिनी दुर्गा भी कहलाती हैं। इस देवी की पूजा के दौरान धनुष बाण का अर्पण करना भी शुभ रहता है। स्कंद माता सूर्यमंडल की अधिष्ठात्रि देवी हैं इसलिए माता के चारों ओर सूर्य जैसा अलौकिक तजोमय मंडल व्याप्त है।

नवरात्रि के पांचवे दिन की पूजा भी वैसे ही होती है , जैसे अन्य दिनों में आप कर रहे हैं बस मन में श्रद्धा और भक्ति भाव होकर मन से पूजा करें लेकिन स्कंदमाता की पूजा कुश अथवा कंबल के आसन पर बैठकर ही करें। माता की पूजा ब्रह्ममुहूर्त में ही करें और स्थापित प्रतिमा या तस्वीर के साथ आसपास कलश पर भी गंगाजल से छिड़काव करें। इसके बाद पूरे परिवार के साथ माता के जयाकरे लगाएं। माता को पीली चीजें प्रिय हैं इसलिए पीले फूल, फल, पीले वस्त्र आदि चीजें अर्पित कर सकते है। साथ ही अगर आप अग्यारी करते हैं तो रोज की तरह लौंग, बताशा आदि चीजें अर्पित कर सकते हैं। इसके बाद माता रोली, अक्षत, चंदन आदि चीजें अर्पित करें, फिर केले का भोग लगाएं। इसके बाद घी का दीपक या कपूर से माता की आरती उतारें और जयाकरे लगाएं। इसके बाद आप दुर्गा सप्तशती और दुर्गा चालीसा का पाठ कर सकते हैं और मां दुर्गा के मंत्रों का भी जप करें। शाम के समय में भी मां दुर्गा की आरती उतारें।

माता को पीले रंग की चीजें प्रिय हैं इसलिए आप केसर युक्त खीर बनाएं और माता को भोग लगाएं। साथ ही स्कंदमाता को केले का भोग भी लगाया जाता है। वहीं बुद्धिबल वृद्धि के लिए माता को 6 इलायची अर्पित कर प्रसाद के रूप में अर्पित कर सेवन करें। इसके बाद ब्रीं स्कन्दजनन्यै नमः मंत्र का जप मन से करें। स्कंदमाता को कमल का पुष्प अति प्रिय है, यदि मिल जाए तो माता को कमल के फूल अर्पित कर सकते हैं, ऐसे माता को श्रद्धा के अनुसार जो कुछ भी मिलता हो मन से पूजा कर सके ध्यान माता के चरणों में हो तो क्रोई भूल भी होने पर माता उसे माफ़ भी कर भक्तों का कल्याण करती है.माँ स्कंदमाता की पूजा से निश्चित ही संतान,ज्ञान व यश की प्राप्ति होती है.पूत कपूत हो सकते पर माता नहीं यदि आप अपनी गलती को सुधार कर शुद्ध मन से माँ का ध्यान करते हैं। (लेखक-संजय गोस्वामी/ ईएमएस)

शब्द पहेली - 8152

बाएँ से दाएँ

1. सावधान,सचेत-3
3. खूबसूरत-3
5. वचन,प्रतिज्ञा-2
6. हत्या,मर्डर-2
8. तब तक,अवधि में-4
10. चरित्र,लक्षण-3
12. रूस की मुद्रा-3
13. परागकण-2
14. नाखून-2
15. छुटकारा,आजादी-3
17. तट,किनारा-3
19. ईश्वर,भगवान -4
21. अधीन,काबू-2
23. नवीन,नवजात-2
24. लेखनी,पेन-3
25. लाईन,रेखा -3

ऊपर से नीचे

1. हमेशा,सदैव-2
2. विष,जहर-3
3. गर्भ-3
4. नया,नवल-2
5. पुनरागमन-3
7. मस्ती,उछलकूद-3
8. स्वभाव,आदत-4
9. नुकसान,घाटा-2
12. कपोल,गाल-4
15. शान्ति,सन्नाटा-3
16. ताकत,दम,बल-2
18. बोलने का तरीका-3
19. प्रतिज्ञा,वचन-3
20. आज्ञापालन-3
22. वहम,संदेह-2
23. लोहे की तांत-2

शब्द पहेली -8151 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

जीवन में विचार की आवश्यकता

कुटिल एवं असत्य विचार से मुक्ति का सरल उपाय सुविचार की भावना दृढ़ करना है।

शांतिदायक सुविचार की गंगा प्रवाहित करने पर ही हम मानसिक दुर्बलता से मुक्त हो सकते हैं। प्रत्येक विचार अंतःकरण में एक मानसिक मार्ग का निर्माण करता है। हमारी समस्त आदतें ऐसे ही मानसिक मार्ग हैं, जो लगातार एक ही प्रकार के चिंतन मनन से विनिर्मित हुए हैं। तुम मनः प्रदेश में उत्तम रचनात्मक विचार ही प्रवेश करने दो। उत्कृष्ट विचारों को ही मन मस्तिष्क पर अंकित करो। जो प्रेम, ईश्वर , नीति के विरोधी विचार हों, उन्हें निकाल फेंको। जब तुम्हारे विचारों का केन्द्र भगवान, अल्लाह, ईश्वर होंगे, तो सुनिश्चित दिशाओं में ही हृदय का विकास होगा।

संसार के महापुरुषों ने जो अद्भुत कार्य किये हैं, विचार कला मर्मज्ञ के लिए उन कार्य का संपादन कदापि दुष्कर नहीं है। विचार करो कि तुम किस तत्त्व में, किस बात में, किस दशा में पिछड़ रहे हो? तुम्हारे मार्ग में कौन-कौन बाधाएं हैं? तुम गीली मिट्टी के नष्ट हो जाने वाले पुतले के सदृश, केवल देह नहीं हो। तुम अमर आत्मा हो। तुम सत्य, स्वतंत्र, शिव, कल्याण, बलवान, आनंदमय, निदरेष, स्वच्छ और पवित्र हो। तुम्हें ज्ञात होना चाहिए कि शक्ति ही जीवन है, शक्ति ही धर्म है। परमेर इस शक्ति का पुंज है। तुम परमेर के राजकुमार हो। अतएव तुम्हारी पैतृक सम्पत्ति शक्ति ही है।

शक्ति तुम्हारे अंतर तथा बाह्य अंगों में पूर्णतः व्याप्त है। तुम्हारे रोम-रोम में संचार कर रही है। तुम्हारे नेत्रों में उसी शक्ति का प्रकाश है। अनंत शक्ति का विशाल समुद्र तुम्हारे पीछे है। निर्बलता, निराशा, भय तथा चिंता के संशयदायक विचार हृदय मंदिर से निकाल शक्ति के विचारों में लीन हो जाओ। परमेर ने सबको समान शक्तियां प्रदान की हैं। ईश्वर , अल्लाह के यहां अन्याय नहीं है। कितनी ही शक्तियों से कार्य न लेकर तुम उन्हें पुंठित कर डालते हो।

अन्य व्यक्ति उसी शक्ति को किसी विशेष दिशा में मोड़कर उसे अधिक परिपुष्ट एवं विकसित कर लेते हैं। अपनी शक्तियों को जाग्रत, विकसित कर लेना या शिथिल पंगु बना लेना स्वयं के हाथ में है। यदि तुम मन की गुप्त महान सामर्थ्यरे को जाग्रत कर लो और लक्ष्य की ओर प्रयत्न और उत्साहपूर्वक अग्रसर होना सीख लो तो जैसा चाहो आत्म निर्माण कर सकते हो। मनुष्य के मन में जिन महत्वाकांक्षाओं का उदय होता है और जो-जो आशापूर्ण तरंगें उदित होती हैं, वे अवश्य पूर्ण हो सकती हैं, यदि वह दृढ़ निश्चय द्वारा अपनी प्रतिभा जगा लें। /ईएमएस फीचर

खेल - समाचार

जिमनास्ट दीपा करमाकर ने संन्यास लिया

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश की शीर्ष महिला जिम्नास्टिक खिलाड़ी दीपा करमाकर ने खेल से संन्यास ले लिया है। दीपा अभी केवल 31 साल की हैं और उनके इस प्रकार से अचानक संन्यास से सभी हैरान हो गये हैं। इस खिलाड़ी ने फिटनेस से जुड़ी समस्याओं के कारण सोशल मीडिया पर अपने संन्यास की घोषणा कर दी। दीपा ने भारत के लिए कई पदक जीते हैं। वह ओलंपिक में भाग लेने वाली पहली भारतीय महिला जिमनास्ट बनी थी। पेरिस ओलंपिक में प्रवेश नहीं मिलने के बाद से ही वह निराश थीं।

दीपा ने सोशल मीडिया पर एक लंबा भावुक पोस्ट लिख कर अपने संन्यास की घोषणा कर दी। दीपा ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा' बहुत सोचने के बाद मैंने जिम्नास्टिक से रिटायर होने का फैसला लिया है। ये फैसला मेरे लिए आसान नहीं था पर यही मुझे सही समय लगा। जिमनास्टिक्स मेरी जिंदगी का एक बहुत बड़ा हिस्सा है और इसी कारण मेरी पहचान है। इसके लिए मैं हमेशा इसकी आभारी रहूंगी।

भारतीय क्रिकेट टीम के पास नया रिकार्ड बनाने का अवसर

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के पास बांग्लादेश के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज के बचे हुए मैच अपना ही पिछला रिकार्ड तोड़ने का अवसर है। भारतीयटीम ने जुलाई 2024 से अब तक लगातार 8 टी20 मैच जीते हैं। ऐसे में बांग्लादेश के खिलाफ बाकी बचे हुए दो मैचों को जीतने के बाद टीम इंडिया साल 2020 में मिली लगातार 9 जीत के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ सकती है। भारतीय टीम के प्रदर्शन को देखकर लगता है कि वह नया रिकार्ड बनायेगी।

इस साल भारतीय टीम केवल एक टी20 मैच ही हारी है। इस बार भारत ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर दूसरी बार टी20 विश्व कप जीता इस साल भारत ने 20 टी20 अंतर्राष्ट्रीच खेले हैं और सिर्फ एक ही मैच हारी है।

भारतीय टीम के पिछले कुछ सालों में किए गए टी20 प्रदर्शन पर बात करें दिसंबर 2023 से लेकर जून 2024 तक भारत ने 12 टी20 जीत दर्ज की हैं। नवंबर 2021 से लेकर फरवरी 2022 तक भी भारत ने लगातार 12 टी20 जीत दर्ज की थी। इसके अलावा 2020 में जनवरी से लेकर दिसंबर तक भारत ने लगातार 9 जीत दर्ज की थी। अब भारतीय क्रिकेट टीम जुलाई 2024 से अब तक 8 जीत के साथ पिछले रिकॉर्ड को तोड़ने के रास्ते पर है। टीम ने पहले टी20 में जैसा प्रदर्शन किया है उसको देखते हुए आगे भी शानदार प्रदर्शन की उम्मीद की जा सकती है।

भारतीय टीम ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 2023 में 5 मैचों की टी20 सीरीज 3-2 से हारने के बाद से ही कोई सीरीज नहीं हारी है। इसके बाद भारत ने टी20 सीरीज में आयरलैंड, ऑस्ट्रेलिया, अफगानिस्तान, जिंबाब्वे और श्रीलंका को हराया है। इसी दौरान टीम इंडिया ने टी20 विश्व कप जीता है।

पहली बार एचआईएल में महिला हॉकी टीमें भी शामिल होंगी

नई दिल्ली (ईएमएस)। हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) एक बार फिर 28 दिसंबर से शुरु होगी। ये लीग सात साल बाद शुरु हो रही है। इसमें पुरुष और महिला दोनों ही टीमें शामिल होंगी। इसमें पुरुषों की प्रतियोगिता में आठ जबकि महिलाओं की प्रतियोगिता में 6 टीमें खेलेंगी। महिलाओं की स्पर्धा इसमें पहली बार रखी गयी है। लीग मुकाबले राउरकेला और रांची में खेले जाएंगे। पुरुषों की प्रतियोगिता राउरकेला जबकि महिलाओं की प्रतियोगिता रांची में खेली जाएगी। लीग के लिए खिलाड़ियों की नीलामी 13 से 15 अक्टूबर तक होगी। इसके लिए कुल 10 फ्रेंचाइजी मालिक एकत्र होंगे और खिलाड़ियों की नीलामी 3 श्रेणियों 2 लाख रुपए, 5 लाख रुपए और 10 लाख रुपए में की जाएगी।

पहली बार महिला लीग शुरू करने से महिला हॉकी खिलाड़ियों को भी अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। इसमें पुरूष वर्ग में फ्रेंचाइजी मालिक चेन्नई (चार्ल्स ग्रुप), लखनऊ (याडु ग्रुप), पंजाब (जेएसडब्ल्यू स्पोटर्स), पश्चिम बंगाल (श्राची स्पोटर्स), दिल्ली (महेश भूपति की एसजी स्पोटर्स एंड इंटरटेनमेंट), ओडिशा (वेदांता लिमिटेड), हैदराबाद (रिसोल्यूट स्पोटर्स) और रांची (नवोयम स्पोटर्स वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड) हैं।

वहीं महिला वर्ग में टीमें हरियाणा (जेएसडब्ल्यू स्पोटर्स), पश्चिम बंगाल (श्राची स्पोटर्स), दिल्ली (महेश भूपति की एसजी स्पोटर्स एंड इंटरटेनमेंट) और रांची (नवोयम स्पोटर्स वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड) हैं। हर टीम में 24 खिलाड़ी होंगे जिसमें कम से कम 16 भारतीय खिलाड़ी होंगे। इनमें 4 जूनियर खिलाड़ी और 8 अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी होना अनिवार्य है। महिला लीग की बाकी 2 टीमों का ऐलान बाद में किया जाएग। महिला लीग का फाइनल अगले साल 26 जनवरी को रांची में होगा जबकि पुरूष टीम का फाइनल एक फरवरी को राउरकेला में खेला जाएगा।

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष और लीग के चेयरमैन दिलीप टिर्की ने कहा कि इस लीग के आयोजन से वह उत्साहित हैं। महासंघ का अध्यक्ष बनने के बाद से उनका सपना इस लीग को फिर से शुरू करने का था जो सभी का पसंद आया।

डायमंड लीग में तीसरे स्थान पर रहे भारत के मुरली

पेरिस (ईएमएस)। भारत के मुरली श्रीशंकर ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए पेरिस डायमंड लीग की लंबी कूद स्पर्धा में तीसरा स्थान हासिल किया है। मुरली ने अपने तीसरे प्रयास में अपनी सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाई। शुरुआती प्रयास में इस भारतीय एथलीट ने 8.09 मीटर छलांग लगाकर दूसरा स्थान हासिल किया। मुरली इस लीग में शुरुआती तीन खिलाड़ियों में आने वाले पहले भारतीय हैं। वहीं यूनान के मिल्टियाडिस टेंटोग्लू 8.13 मीटर की छलांग के साथ नंबर एक स्थान पर रहे।

वहीं चौथे प्रयास में मुरली के एक फाउल और स्विट्जरलैंड के साइमन एहमर के 8.11 मीटर की छलांग लगाने से मुरली तीसरे स्थान पर खिसक गये। मुरली ने पांचवें प्रयास में 7.99 मीटर की दूरी तय थी। उनका छठा प्रयास फाउल रहा। डायमंड लीग में मुरली ने दूसरी बार भाग लिया था। मोनाको में वह 7.94 मीटर के प्रयास के साथ छठे स्थान पर रहे थे। उनकी व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ छलांग 8.36 मीटर है जो उन्होंने पिछले साल लगाई थी। पुरुषों की लंबी कूद में भारत का राष्ट्रीय रिकॉर्ड जेसविन एल्ड्रिन के नाम है। जेसविन ने इस साल की शुरूआत में 8.42 मीटर की छलांग लगाई थी। श्रीशंकर लगातार तीन स्वर्ण पदक जीतकर डायमंड लीग के पेरिस चरण में पहुंचे। उन्होंने पिछले महीने ग्रीस के कालिथिया में विश्व एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर में कांस्य पदक जीता था। तब उन्होंने सत्र की अपनी सर्वश्रेष्ठ 8.18 मीटर की छलांग लगाई थी।

पाक कप्तान शॉन ने इंग्लैंड के खिलाफ लगाया आक्रामक शतक

मुल्तान (ईएमएस)।कप्तान शान मसूद के शानदार प्रदर्शन से पाकिस्तान ने यहां पहले ही मैच में मेहमान टीम इंग्लैंड को झटका दिया है। शान ने मेहमान टीम के गेंदबाजों की जमकर पिटाई करते हुए अपन सबसे तेज शतक लगया है। शान के शतक से पाक टीम ने पहले ही दिन अपनी पहली पारी में 40 ओवर में 189 रन बना लिए। इस मैच में पाक कप्तान शान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। इंग्लैंड ने 8 के स्कोर पर सैम अयूब 4 को आउट कर अच्छी शुरुआत की पर उसके दूसरे विकेट के लिए लंबा इंतजार करन पड़ा। सैम अयूब की जगह आये कप्तान शान मसूद ने तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 102 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया। उन्होंने इस पारी में 10 चौके और दो छक्के लगाये। इसके अलावा अब्दुल्लाह शफीक ने भी अच्छी पारी खेली।

इस प्रकार शॉन ने अपने करियर का सबसे तेज शतक लगाया मसूद ने चार साल बाद टेस्ट शतक लगाया है। उन्होंने पिछला शतक साल 2020 को बांग्लादेश के खिलाफ लगाया था। यह मसूद का कुल पांचवां शतक है। पाक टीम को इससे पहले बांग्लादेश टीम के हाथों करारी हार मिली थी। ऐसे में पाक क्रिकेटर हताश थे और प्रशंसकों के निशाने पर थे। अब कप्तान शान की इस पारी से पाक प्रशंसकों को खुश होने को एक अवसर जरुर मिल गया है।

भारतीय टीम ने 42 वीं बार किसी टीम को ऑलआउट कर रिकार्ड बनाया

ग्वालियर (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम ने बांग्लादेश के खिलाफ पहले टी20 में जीत दर्ज करने के दौरान एक अहम रिकार्ड भी अपने नाम किया। भारतीय टीम ने इस मैच में बांग्लादेश को ऑलआउट कर दिया। ये 42 वीं बार है जब भारतीय टीम ने किसी टीम को ऑलआउट किया। इससे पहले ये रिकार्ड केवल पाकिस्तान के नाम था। पाकिस्तान ने यह रिकॉर्ड जहां 245 मैच खेलकर बनाया। वहीं भारतीय टीम ने 236वें मैच में ही इस रिकॉर्ड की बराबरी कर ली।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद , निवेशकों के 9 लाख करोड़ रुपये डूबे

मुम्बई (ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजार सोमवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी होने से आई है। इजरायल और ईरान के बीच तनाव बढ़ने से भी बाजार नीचे आया है। इससे विदेशी निवेशक अपना पैसा निकला रहे हैं।

दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई का बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स 0.78 फीसदी करीब 638.45 अंक नीचे आकर 81,050 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी 50 भी 0.87 फीसदी तकरीबन 218.85 अंक नीचे आकर 24,795.75 के स्तर पर बंद हुआ। गिरावट के कारण बीएसई पर सूचीबद्ध सभी कंपनियों का बाजार पूंजीकर 9 लाख करोड़ रुपये कम होकर 452 लाख करोड़ रुपये रह गया। शुक्रवार के कारोबारी सत्र में यह 461 लाख करोड़ रुपये पर था। लार्जकैप की अपेक्षा मिडकैप और स्मॉलकैप में अधिक गिरावट देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 1,174 अंक या 2.01 फीसदी गिरकर 57,300 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 515 अंक या 2.75 फीसदी की गिरावट के साथ 18,242 पर था।

बीएसई पर कुल मिलाकर आज 4,178 शेयरों में कारोबार हुआ। जिसमें से 3,416 में गिरावट आई। वहीं पर आज कुल 2,937 कंपनियों में कारोबार हुआ। इसमें से 2,490 शेयरों में गिरावट रही। आज केवल 384 शेयर ही तेजी से बंद हुए। आईटी को छोड़कर सभी अन्य शेयरों में गिरावट रही।

शेयर बाजार में आज केवल निफ्टी आईटी शेयरों में 0.66 फीसदी की बढ़त दर्ज की गयी। इसके अलावा, सारे क्षेत्र गिरावट पर बंद हुए। सबसे बड़ी गिरावट निफ्टी मीडिया में 3.65 फीसदी की रही। इसके अलावा, निफ्टी पीएसयू बैंक में 3 फीसदी से ज्यादा तकरीबन 3.31 फीसदी की गिरावट दर्ज की गयी। बाजार में बैंकिंग और आईटी शेयरों में लाभ हुआ पर बैंक शेयर नीचे आये। निफ्टी बैंक के शेयर 1.91 फीसदी गिरे। वहीं निफ्टी प्राइवेट बैंक में 1.82फीसदी की गिरावट दर्ज की गयी।

आज कारोबार के दौरान बीएसई सेंसेक्स के 7 शेयर ही बढ़त बनाने में सफल रहे। बाकी के 23 शेयर गिरावट पर बंद हुए। आज सबसे अधिक लाभ में महिंद्रा एंड महिंद्रा , एमएंडएम के शेयर रहे। ये 1.46 फीसदी बढ़कर 3061.15 पर बंद हुए। इसके अलावा, आईटीसी, भारती एयरटेल, इंफोसिस, बजाज फाइनेंस, टीसीएस और टेक महिंद्रा के शेयरों में बढ़त देखी गयी।

50 शेयरों वाले निफ्टी के 10 शेयर लाभ पर बंद हुए। निफ्टी का सबसे अधिक लाभ वाला शेयर टाटा समूह की कंपनी ट्रेंट का रहा । ट्रेंट के शेयर आज 1.86 फीसदी बढ़कर 7,489.90 रुपये पर बंद हुए। इसके अलावा, एमएंडएम, भारती एयरटेल, आईटीसी, बजाज फाइनेंस, टीसीएस, अपोलो हॉस्पिटल्स, के शेयर भी बढ़े।

सेंसेक्स के 23 शेयर आज गिरावट पर बंद हुए। सबसे बड़ी गिरावट 4.17 फीसदी की गिरावट अदाणी पोर्ट्स के शेयरों में मिली। अदाणी पोर्ट्स शेयर प्राइस 1354.10 रुपये पर बंद हुआ। इसके अलावा, एनटीपीसी, एसबीआई, पावर ग्रिड, इंडसइंड बैंक, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक , टाइटन, अल्ट्राटेक सीमेंट,के शेयर गिरावट पर बंद हुए। इससे पहले आज सुबह बाजार शुरुआती कारोबार में मजबूती के साथ खुले। शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 412 अंकों की बढ़त के साथ 82,100 पर खुला, जबकि निफ्टी 50, 110 अंकों की बढ़त के साथ 25,125 पर कारोबार कर रहा था

सोना 76हजार से नीचे, चांदी भी हुई सस्ती

नई दिल्ली (ईएमएस)। इस सप्ताह के पहले ?दिन सोमवार को सोने और चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत सुस्त रही। दोनों के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 75,950 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 93,100 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे।

वै?श्विक बाजार में सोने-चांदी के भाव तेज शुरुआत के बाद नरम पड़ गए। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 138 रुपये की गिरावट के साथ 76,005 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 172 रुपये की गिरावट के साथ 75,971 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत आज सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 188 रुपये की गिरावट के साथ 93,161 रुपये पर खुला। इस समय यह 217 रुपये की गिरावट के साथ 93,132 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वै?श्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। हालांकि बाद में भाव सुस्त पड़ गए। कॉमेक्स पर सोना 2,671.70 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,667.80 डॉलर प्रति औंस था। ?फिलहाल यह 3.60 डॉलर की गिरावट के साथ 2,664.20 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 32.45 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 32.39 डॉलर था। ?फिलहाल यह 0.06 डॉलर की गिरावट के साथ 32.33 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

900 करोड़ जुटने आईपीओ नहीं लाएगी हीरो मोटर्स.....जाने क्यों

मुंबई (ईएमएस)। दुनिया की सबसे बड़ी बाइक बनाने वाली कंपनी हीरो मोटर्स अब आईपीओ नहीं लाएगी। हीरो मोटर्स ने आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के लिए अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) वापस ले लिया है। इसकी जानकारी मार्केट रेगुलेटर सेबी की अधिकारिक वेबसाइट से मिली। गौरतलब है कि हीरो मोटर्स ने 28 अगस्त को सेबी के पास डीआरएचपी फाइल की थी।

हीरो मोटर्स कंपनी (एचएमपीसी) हीरो ग्रुप की प्रमुख ऑटो कंपोनेंट कंपनी है। हीरो मोटर्स की योजना पब्लिक होने की थी, जिसके लिए वह 900 करोड़ रुपये का आईपीओ लाने जा रही थी। कंपनी की योजना फ्रेश ओएफएस (ऑफर फॉर सेल) और फ्रेश इश्यू के जरिये रकम जुटाने की थी, जिसका उपयोग वह कर्ज चुकाने, प्रोडक्शन कैपासिटी को बढ़ाने और अन्य कार्यों के लिए करना चाहती थी।

हीरो मोटर्स के डीआरएचपी के अनुसार, आईपीओ के तहत 500 करोड़ रुपये के फ्रेश इश्यू यानी नए इक्विटी शेयर जारी किए जाने थे। इसके अलावा प्रमोटर 400 करोड़ रुपये मूल्य के शेयरों की बिक्री पेशकश (एफओएस) करना चाहते थे। ओपीएस में ओपी मुंजाल होल्डिंग्स 250 करोड़ रुपये और भाग्योदय इंवेस्टमेंट्स और हीरो साइकिल्स 75-75 करोड़ रुपये के शेयरों की पेशकश की थी। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज, जेएम फाइनेंशियल और डीएएम कैपिटल एडवाइजर्स हीरो मोटर्स के इस इश्यू के बुक रनिंग लीड मैनेजर थे। बता दें कि हीरो मोटर्स, हीरो मोटोकॉर्प के चेयरमैन पवन मुंजाल के चचेरे भाई पंकज मुंजाल के नेतृत्व वाली ऑटो कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग कंपनी है। हीरो मोटर्स अमेरिका, यूरोप और भारत में ऑटोमोटिव ओरिजिनल इक्विपमेंट्स मैन्युफैक्चरिंग को पावरट्रेन सॉल्यूशंस (इलेक्ट्रिक और नॉन-इलेक्ट्रिक) प्रदान करती है।

मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक का फैसला 9 अक्टूबर को आएगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक इस सप्ताह हो रही है, जिसमें विशेषज्ञों का मानना है कि प्रमुख ब्याज दर रेपो में कोई कटौती नहीं की जाएगी। विशेषज्ञों के अनुसार, रिटेल इन्फ्लेशन अब भी चिंता का विषय बना हुआ है, और पश्चिम एशिया में संकट और बिगड़ने की संभावना है, जिसका असर कच्चे तेल और अन्य जिंसों की कीमतों पर पड़ेगा। इस महीने की शुरुआत में सरकार ने आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति का पुनर्गठन किया है, जिसमें तीन नए बाहरी सदस्यों को शामिल किया गया है।

आरबीआई गवर्नर शक्तिकान्त दास बुधवार 9 अक्टूबर को तीन दिन की बैठक के नतीजों की घोषणा करेंगे। आरबीआई ने फरवरी 2023 से रेपो दर को 6.5 प्रतिशत पर स्थिर रखा है। विशेषज्ञों का मानना है कि दिसंबर में रेपो दर में कुछ ढील की गुंजाइश हो सकती है। सरकार ने केंद्रीय बैंक को यह सुनिश्चित करने का कार्य सौंपा है

एसबीआई ने एमटीएनएल ने लोन खातों को एनपीए घोषित किया

मुंबई (ईएमएस)। भारत में जहां 5जी और 6जी स्पीड की दिशा में तेजी से कदम बढ़ रहे हैं, वहीं कुछ टेलीकॉम कंपनियां आर्थिक संकट का सामना कर रही हैं। इसमें वोडाफोन-आइडिया के साथ सरकारी टेलीकॉम कंपनी महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड (एमटीएनएल) भी शामिल है। रिपोर्टों के अनुसार, एमटीएनएल की वित्तीय स्थिति गंभीर होती जा रही है। सोमवार को एमटीएनएल का शेयर 5 फीसदी की गिरावट आई और लोअर सर्किट लग गया। जुलाई में इसका शेयर ने 97 रुपए का उच्चतम स्तर छुआ था।

दरअसल, 30 अगस्त, 2024 तक कंपनी पर कुल 31,944.51 करोड़ रुपए का कर्ज था और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने एमटीएनएल के लोन खातों को 'सब-स्टैंडर्ड' नॉन परफॉर्मिंग एसेट (एनपीए) घोषित है। यह स्थिति तब आई है जब एमटीएनएल अपने कर्ज की अदायगी में असफल रही है। एसबीआई ने एमटीएनएल को चेतावनी दी है कि यदि वह जल्द ही बकाया राशि का भुगतान नहीं करती है, तब जुर्माना और ब्याज का भुगतान करना पड़ सकता है, साथ ही कानूनी कार्रवाई का सामना भी करना पड़ सकता है। एमटीएनएल पर एसबीआई का कुल 325.53 करोड़ रुपए का कर्ज बकाया है। एसबीआई ने कंपनी को 30 सितंबर, 2024 तक यह राशि चुकाने के लिए समय दिया था, जिसे एमटीएनएल पूरा करने में असमर्थ रही। इसके बाद बैंक ने कंपनी के लोन खातों को 'सब-स्टैंडर्ड' एनपीए की श्रेणी में डाल दिया है, जो उन खातों के लिए होता है जिनकी डिफॉल्ट अवधि 12 महीने से कम होती है और जिनमें भुगतान की संभावना बनी रहती है।

एसबीआई ने एमटीएनएल को अपने खाते को नियमित करने के लिए 282 करोड़ रुपए की राशि तुरंत चुकाने का आदेश दिया है।

इसके साथ ही, बैंक ने सरकार द्वारा एमटीएनएल के कर्ज की गारंटी और कंपनी की संपत्ति मुद्रीकरण परियोजनाओं की स्थिति पर जानकारी मांगी है। इससमें दिल्ली में 13.88 एकड़ जमीन को आवासीय और व्यावसायिक उपयोग के लिए विकसित करने के लिए एनबीसीसी के साथ किए गए समझौते का विवरण भी शामिल है। रिपोर्टों के अनुसार, एमटीएनएल की वित्तीय स्थिति गंभीर होती जा रही है।

मंहगाई की मार से जनता को बचाने खुद टमाटर बेचेगी सरकार

नई दिल्ली(ईएमएस)। सरकार ने मंहगाई से राहत देने का आसान तरीका ढूंढ लिया है। आटा,दाल और सब्जियों दाम बढ़े तो सरकार खुद उसे बेचने लगती है और जनता को राहत देने की कोशिश करती है। अब मंहगे होते टमाटर को खुद सरकार ने बेचने का फैसला किया है। राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता महासंघ (एनसीसीएफ) और सफल के आउटलेट्स के जरिए दिल्ली और आसपास के शहरों में 65 रुपये प्रति किलो की दर से टमाटर बेचे जाएंगे। केंद्र सरकार ने खुदरा बाजार में टमाटर की कीमतों पर काबू पाने के लिए मूल्य स्थिरीकरण कोष के तहत यह हस्तक्षेप शुरू किया है। जुलाई में भी, खाद्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने इसी तरह का कदम उठाते हुए 60 रुपये प्रति किलो की दर से टमाटर बेचने का अभियान शुरू किया था। राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता महासंघ (एनसीसीएफ) और सफल के आउलेट्स पर सस्ते टमाटर बेचे जाएंगे। सरकारी बयान के अनुसार, एनसीसीएफ थोक बाजारों से टमाटर खरीदकर उचित दरों पर बेच रहा है, ताकि बिचौलियों की मुनाफाखोरी पर लगाम लगाई जा सके और उपभोक्ताओं को राहत मिल सके।

उपभोक्ता मामलों के विभाग के एक अधिकारी के मुताबिक दिल्ली-एनसीआर में थोक और खुदरा कीमतों में बड़ा अंतर देखा जा रहा है, क्योंकि कुछ व्यापारी त्योहारों के मौसम में बढ़ती मांग का फायदा उठा ऊंचे रेट पर टमाटर बेच रहे हैं। दिलचस्प बात यह है कि 65 रुपये प्रति किलो की दर पर टमाटर बेचने के बावजूद सरकार को किसी तरह का नुकसान नहीं होगा।

यह थोक और खुदरा कीमतों के बीच भारी अंतर को उजागर करता है।त्योहारी सीजन शुरू होने के बाद से ही सब्जियों के भाव में काफी उछाल आया है। सब्जियों के बढ़ते दामों ने रसोई का बजट बिगाड़ दिया है। देश के बहुत से शहरों में टमाटर 80 से 100 रुपये प्रति किलोग्राम और प्याज 70 से 80 रुपये प्रति किलोग्राम तक बिक रहा है। भिंडी, पालक, हरी मिर्च, लौकी के दाम भी आम लोगों की पहुंच से बाहर हो गए हैं। इस समय, प्रमुख शहरों में खुदरा टमाटर की कीमतें 80-90 रुपये प्रति किलो तक पहुंच चुकी हैं, जबकि दो हफ्ते पहले यह 40-50 रुपये प्रति किलो थी।

इस उछाल की वजह कर्नाटक और महाराष्ट्र जैसे प्रमुख उत्पादक राज्यों में बारिश से आपूर्ति में आई रुकावट बताई जा रही है।दिल्ली के आजादपुर मंडी के एक व्यापारी ने बताया कि दो हफ्ते पहले 25 रुपये प्रति किलो बिकने वाला टमाटर अब थोक में 70 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गया है। रिटेल में भी भाव कई गुना बढ़ गए हैं।

जब.....हमास ने महिलाओं के साथ क्रूरता की हदें पार

तेल अबीब (ईएमएस)। महिला सड़क पर थी और महिला की पीठ से खून निकल रहा था। इतना ही नहीं उसके ब्रेस्ट को काटकर सड़क पर फेंककर हमास के लड़ाके उसके साथ खेल रहे थे... ऐसा कुछ दर्दनाक मंजर आज से करीब एक साल पहले इजरायल में हमास के हमले के बाद देखा गया था। तब कई रिपोर्ट्स आई थीं, जिसमें बताया गया था कि महिलाओं के साथ क्रूरता की हदें पार कर दी गई और कई महिलाओं के साथ रेप हुआ है। इस मंजर का गवाह बने लोगों ने जब इसके बारे में बताया तब हर कोई स्तब्ध रह गया।

एक रिपोर्ट में उन चश्मदीदों ने बताया है कि हमास के लड़ाकों ने किस तरह महिलाओं के साथ बर्बरता की थी। हमले में मारे गए लोगों के शवों को एकत्र करने और उनकी पहचान करने में शामिल कई लोगों के अनुसार, शवों में यौन उत्पीड़न के निशान दिखाई दिए थे और शवों की हड्डियां टूटी हुई थी, चोट के निशान थे, बॉडी पर कई चीरे लगाए हुए दिख रहे थे। पीड़ितों में बच्चे, जवान और बूढ़े सभी उम्र के लोग शामिल थे।

घटना के वक्त के सामने आए कई वीडियो में दिखता है कि महिलाओं को खास टारगेट किया गया था। एक चश्मदीद ने बताया था कि उन्होंने हमास के लड़ाकों को एक महिला का गैंगरेप करते हुए देखा था, जिसका शरीर पूरी तरह क्षत-विक्षत था। इसके बाद बलात्कारियों ने रेप करते हुए महिला के सिर पर गोली मारी दी थी।

रिपोर्ट के अनुसार, तब नोवा म्यूजिक फेस्टिवल चल रहा था। वहां मौजूद कई लोगों के साथ दरिंदगी की गई। वहां मौजूद एक शख्स ने बताया कि उसने वहां लोगों के मारने, रेप और सिर कटने की आवाजें सुनी थीं। शख्स ने बताया, कुछ महिलाओं के साथ रेप तब किया गया, जब वे मर चुकी थीं, कुछ के साथ घायल अवस्था में रेप किया गया और वे महिलाएं अधमरी स्थिति में थी। जो महिलाएं रेप होने से बच गई थीं, उनकी मानसिक स्थिति काफी खराब हो चुकी थीं। रिपोर्ट में सामने आया कि आखिर महिलाओं के साथ किस तरह से बर्बरता की गई थी। महिलाएं नग्न अवस्थाओं में थीं, उनके इनरवियर्स फटे हुए थे, पैर फेले हुए थे और प्राइवेट पार्ट से लेकर शरीर पर चोट के कई निशान थे।

राजदूत के निष्कासन की मांग पर भड़का ईरान, ऑस्ट्रेलियाई राजदूत को किया तलब

तेहरान,(ईएमएस)। ईरानी विदेश मंत्रालय ने हालिया घटनाक्रमों के लिए पक्षपातपूर्ण रुख अपनाने पर ऑस्ट्रेलिया के राजदूत को तलब किया है। यह कदम ईरान ने तब उठाया जब ऑस्ट्रेलिया के पीएम एंथनी अल्बानीज ने इजराइल पर ईरान के मिसाइल अटैक की निंदा की। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ऑस्ट्रेलिया के विपक्षी नेता ने ऑस्ट्रेलिया में ईरानी राजदूत को निष्कासित करने की मांग की थी।

रिपोर्ट में ईरानी विदेश मंत्रालय में पूर्वी एशिया और ओशिनिया विभाग के महानिदेशक अली असगर मोहम्मदी ने बैठक में ऑस्ट्रेलियाई सरकार के अनुचित और पक्षपातपूर्ण रुख का विरोध किया। उन्होंने गाजा और लेबनान में इजरायली सैन्य कार्रवाइयों के प्रति ऑस्ट्रेलिया की चुप्पी साधे रहने की आलोचना की। उन्होंने इजरायल द्वारा गाजा में नरसंहार और लेबनान में हमलों को तत्काल रोकने की ईरान की अपील दोहराई और ऑस्ट्रेलिया और इजराइल के अन्य पश्चिमी समर्थक देशों से जिम्मेदार भूमिका निभाने का आह्वान किया।

इससे पहले ईरान के विदेश मंत्रालय ने जर्मन और ऑस्ट्रियाई राजदूतों को भी तलब किया था, जब इन देशों ने ईरानी दूतों को बुलाकर इजराइल पर तेहरान के मिसाइल अटैक का विरोध जताया था। 4 अक्टूबर को ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने इजराइल पर तेहरान के हमलों को पूरी तरह से कानूनी और वैध बताया था। 1 अक्टूबर की रात ईरान ने इजरायल पर सैकड़ों मिसाइल दागे थे।

तेहरान का कहना है कि यह बमबारी हमास के राजनीतिक नेता इस्माइल हानिया, हिजबुल्लाह के प्रमुख हसन नसरल्लाह और जनरल अब्बास निलफोरुशन की हत्याओं के जवाब में की गई थी। ईरान हमेशा से हमास और हिजबुल्लाह का समर्थन करता रहा है। ईरानी हमले के कुछ घंटों बाद इजराइल के पीएम नेतन्याहू ने सुरक्षा कैबिनेट की बैठक के दौरान कहा था कि ईरान ने आज रात एक बड़ी गलती की है और उसे इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। इसको लेकर पूरी दुनिया में हड़कंप मच गया है। कहीं यह लड़ाई बड़ी ना हो जाए।

हमास ने जंग की बरसी पर दागे रॉकेट इजरायली रक्षा बलों ने किया विफल

तेल अवीव (ईएमएस)। हमास के साथ जंग की बरसी पर इजरायली रक्षा बलों ने दावा किया कि उन्होंने हमास के एक बड़े रॉकेट हमले की योजना को नाकाम कर दिया है। सेना के अनुसार, हमास ने इजरायल पर बड़े पैमाने पर रॉकेट हमले की तैयारी की थी, जिसे समय रहते विफल कर दिया गया। सुबह 6:30 बजे से पहले, इजरायली लड़ाकू विमानों ने गाजा में हमास के कई रॉकेट लॉन्चर और सुरंगों को निशाना बनाया। इसी दौरान हमास ने सुफा क्षेत्र में चार रॉकेट लॉन्च किए, जिनमें से तीन को इंटरसेप्ट कर लिया गया और एक खुले क्षेत्र में गिरा।

इजरायली रक्षा बलों ने बताया कि रात भर उन्होंने केंद्रीय गाजा में हमास के कई ठिकानों पर हमला किया, जिन्हें नेटजारिम कॉरिडोर क्षेत्र में इजरायली बलों के लिए खतरा माना जा रहा था। यह कार्रवाई इजरायली बलों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और गाजा में हमास की गतिविधियों को कमजोर करने के उद्देश्य से की गई थी। रविवार को, इजरायली रक्षा बलों ने पहले ही चेतावनी दी थी कि हमास 7 अक्टूबर के नरसंहार की पहली बरसी पर हमले कर सकता है, और इस वजह से गाजा और सीमा पर इजरायली बलों को मजबूत किया गया था। इजरायली रक्षा बलों ने यह भी कहा कि किसी भी खतरे का सामना करने के लिए वे पूरी तरह से तैयार हैं और किसी भी हमले का कड़ा जवाब देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

भारतीय टीम ने बांग्लादेश को 7 विकेट से हराकर टी20 सीरीज में 1-0 की बढ़त ली

ग्वालियर (ईएमएस)। ऑलराउंडर हार्दिक पांडया के शानदार प्रदर्शन से भारतीय टीम ने पहले टी-20 क्रिकेट मैच में बांग्लादेश को 7 विकेट से हरा दिया। इस प्रकार तीन मैचों की सीरीज में भारतीय टीम

1-0 से आगे हो गयी है। इस मैच में मेहमान टीम बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 19.5 ओवर में 127 रन बनाए थे। इसके बाद भारतीय टीम ने जीत के लिए मिले लक्ष्य को 11.5 ओवरों में ही तीन विकेट खोकर हासिल कर लिया। भारतीय टीम की जीत में हार्दिक पांडया की अहम भूमिका रही। हार्दिक ने 16 गेंदों में 39 रन बनाए। उन्होंने अपनी इस पारी में 5 चौके और 2 छक्के लगाए।

वहीं अर्शदीप सिंह और वरूण चक्रवर्ती ने भी इस मैच में अच्छी गेंदबाजी कर बांग्लोशी बल्लेबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। तेज गेंदबाज अर्शदीप ने 14 रन देकर तीन विकेट लिए जबकि अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रहे लेग स्पिनर वरुण ने भी 31 रन देकर तीन खिलाड़ियों को पेवेलियन भेजा। इसके अलावा वाशिंगटन सुंदर, मयंक यादव और हार्दिक पंडया ने भी एक-एक विकेट लिए। बांग्लादेश की ओर से मेहदी हसन मिराज ने सबसे अधिक 35 रन बनाये। इसके अलावा कप्तान नजमुल हुसैन शंटो ने 27 रन बनाये।

कराची में विस्फोट, 2 चीनी इंजीनियरों की मौत

कराची (ईएमएस)। पाकिस्तान के कराची एयरपोर्ट के पास हुए एक विस्फोट में कम से कम 2 चीनी नागरिकों की मौत हो गई है। इस घटना में एक चीनी नागरिक घायल भी है। हमले में कुल कितने लोग मरे हैं इसकी अभी जानकारी नहीं मिली है। पाकिस्तान में स्थित चीन के दूतावास ने इसे एक आंतकी हमला बताया है। चीनी दूतावास ने अपने बयान में कई स्थानीय लोगों के घायल होने का भी जिक्र किया है। दूतावास ने कहा कि ये हमला सिंध प्रांत में एक बिजली प्रोजेक्ट पर काम कर रहे चीनी इंजीनियरों के काफिले को निशाना बनाकर किया गया। एंबेसी ने पाकिस्तान से इस हमले की जांच करने और अपराधियों को कड़ी सजा देने की मांग की है।

पाकिस्तान में लड़की ने अपने परिवार के 13 लोगों को दिया जहर

इस्लामाबाद (ईएमएस)। पाकिस्तान के सिंध में एक लड़की ने कथित तौर पर अपने परिवार के 13 लोगों के खाने में जहर मिलाकर हत्या कर दी। इसकी वजह भी सामने आई है। दरअसल लड़की के परिवार वाले उसकी पसंद के मुताबिक शादी करने के लिए तैयार नहीं थे। जानकारी के मुताबिक ये मौतें 19 अगस्त को खैरपुर के पास हैबत खान ब्रोही गांव में हुईं थी। अब खुलासा हुआ है कि उसने अपने प्रेमी के साथ मिलकर अपने माता-पिता समेत परिवार के सभी सदस्यों को जहर देने की साजिश रची।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, खाना खाने के बाद सभी 13 सदस्य बीमार पड़ गए और उन्हें अस्पताल ले जाया गया जहां सभी की मौत हो गई। जब पोस्टमार्टम किया गया तो पता चला कि इन लोगों की मौत जहरीला खाना खाने से हुई थी। उन्होंने बताया कि जब पुलिस ने गहन जांच की तो पता चला कि बेटी और उसके प्रेमी ने घर में रोटी बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाले गेहूं में जहर मिला दिया था। इसके बाद पुलिस ने रविवार को उसे गिरफ्तार कर लिया।

19 अगस्त को घर में खाना खाने के बाद बीमार पड़ने के बाद परिवार के नौ सदस्यों की मौत हो गई थी। अगले दिन अस्पताल में इलाज के दौरान चार अन्य की भी मौत हो गई। घटना की सूचना पुलिस स्टेशन में दी गई थी और माना जा रहा था कि उनकी मौत का कारण कोई रहस्यमय बीमारी या फूड पॉइजनिंग है। पुलिस ने विभिन्न कोणों से जांच शुरू कर दी। पुलिस ने दो शवों की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट हासिल की और उस पर काम किया ताकि यह पता लगाया जा सके कि किस तरह का जहरीला पदार्थ इतनी मौतों का कारण बना। खोज में वे इस नतीजे पर पहुंचे कि पीड़ितों द्वारा खाए गए भोजन में जहर मिलाया गया था।

डीएसपी ने कहा कि उन्होंने एक ही जगह रहने वाले संयुक्त परिवार के जिंदा बचे सदस्यों में से एक शाइस्ता ब्रोही से पूछताछ शुरू की। कई बार कड़ी पूछताछ के दौरान वह आखिरकार टूट गई और उसने कबूल किया कि उसने परिवार को दिए जाने वाले खाने में जहर मिलाया था। उसने कहा कि यह तरल पदार्थ उसे उसके प्रेमी आमिर बख्श ब्रोही ने दिया था। डीएसपी ने कहा कि शाइस्ता आमिर बख्श से प्यार करती थी लेकिन उसका परिवार प्रस्ताव के लिए सहमत नहीं था। उसने कहा कि एक दिन आमिर ने उसे एक तरल पदार्थ दिया और उसे भोजन में मिलाने के लिए कहा। उसने उसे आश्वासन दिया कि यह खाने के बाद उसका परिवार शादी के प्रस्ताव पर सहमत हो जाएगा और फिर वे शादी कर सकेंगे। सोशल मीडिया पर शाइस्ता द्वारा कथित तौर पर अपलोड किए गए एक वीडियो क्लिप में भी उसे ऐसा बयान देते हुए दिखाया गया है। डीएसपी ने कहा कि शाइस्ता और आमिर बख्श के खिलाफ बराडी जटोई पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज करने के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

ईरान का टॉप मिलिट्री कमांडर इस्माइल कानी लापता,हमले में मारे जाने की आशंका

तेहरान(ईएमएस)।इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने रविवार को घोषणा की कि वे अपने दुश्मनों के खिलाफ कार्रवाई करेंगे। विशेष रूप से, 7 अक्टूबर को हमास द्वारा इजरायल पर हमले की वर्षगांठ के अवसर पर, माना जा रहा है कि इजरायल ईरान पर भी हमला हो सकता है।

इस बीच, ईरान के शीर्ष सैन्य कमांडर इस्माइल कानी की लापता होने की खबरें आ रही हैं। इस्माइल कानी साउथ बेरूत में हिजबुल्लाह के नेता हसन नसरल्लाह के उत्तराधिकारी हाशिम सफीद्दीन के साथ एक बंकर में मौजूद थे, जब इजरायली सेना ने उस पर हमला किया। इस हमले में कानी गंभीर रूप से घायल हो गए, और कुछ रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि उन्हें मारा भी जा सकता है। वहीं लेबनानी सूत्रों ने बताया कि इस्माइल कानी के साथ संपर्क नहीं हो पा रहा है और इजरायली सेना ने उनकी मौत की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है, लेकिन यह कहा जा रहा है कि वे उस बैठक में मौजूद थे। ईरान की मीडिया के अनुसार, इस्माइल कानी, जो इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कुद्स फोर्स के प्रमुख हैं और ईरान के सुप्रीम लीडर आयतुल्ला खामनेई के करीबी सहयोगी माने जाते हैं, के साथ संपर्क नहीं हो पा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि इस्माइल कानी की मौत हो गई, तो यह ईरान के लिए एक बड़ा झटका होगा, क्योंकि वह हिजबुल्लाह को समर्थन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे थे। उनके बिना, ईरान की ताकत कमजोर पड़ सकती है, जिससे मध्य पूर्व में और तनाव बढ़ने की संभावना है।

तनावपूर्ण हालात के बीच ईरान ने भारत को कहा......शुक्रिया

तेहरान (ईएमएस)। मध्य पूर्व में हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं। इजरायल पर हमास के हमले के बाद गाजा में शुरू हुआ युद्ध अब लेबनान तक पहुंच चुका है। इस संघर्ष के बीच, भारत की स्थिति महत्वपूर्ण है, क्योंकि नई दिल्ली के ईरान और इजरायल दोनों के साथ अच्छे रिश्ते हैं। ईरानी राजदूत ने तनाव भरे माहौल में भारत को धन्यवाद दिया है। ईरान लंबे समय से ब्रिक्स में शामिल होना चाहता था, और इस बार ईरान को ब्रिक्स का पूर्ण सदस्य बनाया गया, जिसमें भारत का समर्थन महत्वपूर्ण रहा।

ईरानी राजदूत ने कहा, ईरान को ब्रिक्स का पूर्ण सदस्य बनाने में मदद के लिए भारत के प्रति हमारा सम्मान और आभार है। उन्होंने बताया कि ईरानी विदेश विभाग रूस के कजान में होने वाले ब्रिक्स सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी और ईरानी राष्ट्रपति महमूद पेजेश्कियान के बीच बैठक की तैयारी कर रहा है।

उन्होंने कहा, भारत जैसे देशों, जिनका इजरायल पर प्रभाव है, उन्हें तनाव कम करने के लिए इजरायल को प्रोत्साहित करना चाहिए। इसके साथ ही, उन्होंने कहा कि ईरान किसी भी स्थिति के लिए तैयार है।

वहीं इस बातचीत में ईरानी राजदूत ने चाबहार पोर्ट जैसे विभिन्न प्रोजेक्ट्स का जिक्र किया, जो दोनों देशों के बीच सहयोग का प्रतीक हैं। उन्होंने माना कि ईरान समझता है कि भारत अभी उससे तेल क्यों नहीं खरीद रहा है, लेकिन उन्होंने नए सहयोग के अवसरों की भी बात की।

दो अमेरिकी वैज्ञानिकों को नोबेल पुरस्कार......जाने चिकित्सा के क्षेत्र में ऐसा क्या किया

स्टॉकहोम (ईएमएस)। दो अमेरिकी वैज्ञानिकों विक्टर एम्ब्रोस और गैरी रुवकुन को वर्ष 2024 का चिकित्सा के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार देन का ऐलान हुआ है। इन दोनों वैज्ञानिकों ने माइक्रो आरएनए की खोज की थी। पुरस्कार देने वाली संस्था ने बताया कि वैज्ञानिक एम्ब्रोस और रुवकुन ने माइक्रो आरएनए की खोज और जीन विनियमन में इसकी भूमिका के लिए फिजियोलॉजी या मेडिसिन में 2024 का नोबेल पुरस्कार जीता है।

चिकित्सा क्षेत्र के लिए नोबेल विजेताओं का चयन स्वीडन के कैरोलिंस्का इंस्टीटयूट मेडिकल यूनिवर्सिटी की नोबेल असेंबली द्वारा किया जाता है। विजेताओं को 11 मिलियन स्वीडिश क्राउन (1.1 मिलियन) यानी 8.90 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि दी जाती है।

नोबेल असेंबली ने कहा कि दोनों वैज्ञानिकों ने माइक्रो आरएनए की खोज की है, जो जीवों के विकास और कार्य करने के तरीके के लिए मौलिक रूप से महत्वपूर्ण साबित हो रही है। उनकी खोज यह समझने में महत्वपूर्ण है कि मनुष्य सहित जीव कैसे विकसित होते हैं और कार्य करते हैं। यह एक छोटा अणु है जो जीन गतिविधि को विनियमित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

चिकित्सा क्षेत्र में अब तक कुल 227 विजेताओं को नोबेल पुरस्कार दिया गया है, जिसमें से केवल 13 महिलाओं को यह पुरस्कार मिला है। यह पुरस्कार जीतने वाले को एक करोड़ 10 लाख स्वीडिश क्रोना (करीब 10 लाख अमेरिकी डॉलर) दिए जाते हैं। यह पुरस्कार स्वीडन के वैज्ञानिक अल्फ्रेड नोबेल के नाम पर दिया जाता है। पुरस्कार विजेताओं को नोबेल की पुण्यतिथि 10 दिसंबर को आयोजित समारोह में पुरस्कार प्रदान करने के लिए आमंत्रित किया जाता है। चिकित्सा क्षेत्र के अलावा मंगलवार को भौतिकी, बुधवार को रसायन विज्ञान और बृहस्पतिवार को साहित्य के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार विजेताओं की घोषणा होगी। शांति के लिए नोबेल पुरस्कार की घोषणा शुक्रवार को और अर्थशास्त्र के लिए यह घोषणा 14 अक्टूबर को की जाएगी।

हर साल की तरह चिकित्सा पुरस्कार नोबेल पुरस्कारों की सीरीज में पहला पुरस्कार है, जो विज्ञान, साहित्य और मानवीय प्रयासों के क्षेत्र में सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार है, जबकि शेष पांच पुरस्कारों की घोषणा 7 से 14 अक्तूबर के बीच की जाएगी। स्वीडिश डायनामाइट आविष्कारक और व्यवसायी अल्फ्रेड नोबेल की वसीयत में बनाए गए ये पुरस्कार 1901 से विज्ञान, साहित्य और शांति के क्षेत्र में सफलता के लिए दिए जाते रहे हैं, जबकि अर्थशास्त्र को बाद में शामिल किया गया है।

41000 मौतें, भीषण तबाही... फिर भी नहीं टूटी हमास की डिफेंस लाइन, 101इजरायली अब भी बंधक

नेतन्याहू के सामने युद्ध को अंजाम तक पहुंचाने की चुनौती!

तेल अवीव(ईएमएस)। इजरायल ने 7 अक्टूबर, 2023 को हुए हमास के बर्बर हमले की पहली बरसी पर 10 दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की है। हमास ने पिछले साल 7 अक्टूबर के दिन इजरायल में अचानक धावा बोल दिया था। उसके लड़ाकों ने आसमान, जमीन और समुद्र के रास्ते इजरायल में घुसकर कत्लेआम मचाया था। इस हमले में 1200 से अधिक इजरायली नागरिकों की मौत हुई थी और हमास ने 250 से के करीब लोगों को बंधक बना लिया था, जिसमें बच्चे और महिलाएं भी शामिल थीं। हमास ने अपने इस हमले को ऑपरेशन अल-अक्सा फ्लड नाम दिया था।

इजरायल ने इस बर्बरता का बदला लेने और हमास का अस्तित्व मिटाने की कसम खाई थी। उसने गाजा में ऑपरेशन आयरन स्वॉर्डस चलाया। उसकी सेना ने गाजा को खंडहर में बदल दिया। पिछले एक साल के अंदर गाजा में इजरायली कार्रवाई में करीब 42000 मौतें हुई हैं, लाखों लोग गाजा से विस्थापित हुए हैं। इजरायल अब तक इस्माइल हानिया और मोहम्मद डेफ समेत हमास के कई शीर्ष नेताओं को ढेर कर चुका है। यह 2008 के बाद से फिलिस्तीन-इजरायल संघर्ष का पांचवां युद्ध है, और 1973 में योम किप्पुर युद्ध के बाद इस क्षेत्र में सबसे बड़ा सैन्य अभियान है।

गाजा पट्टी पर 2007 से हमास का शासन है और 7 अक्टूबर, 2023 के हमले के बाद इजरायल की बदले की कार्रवाई में यहां बड़े पैमाने पर विनाश हुआ है। गाजा में बुनियादी ढांचे मलबे में तब्दील हो चुके हैं। एक वर्ष बीत जाने के बाद भी, गाजा युद्ध अनसुलझा है और पूरे क्षेत्र में युद्ध की संभावना अधिक बनती जा रही है। अपने कई शीर्ष नेताओं और कमांडरों के मारे जाने के हमास सक्रिय है। कतर स्थित हमास के सदस्य खलील अल-हया ने एक वीडियो संदेश जारी करके 7 अक्टूबर, 2023 के हमले को महान कार्य बताया है। अल-हया ने 7 अक्टूबर के हमले की बरसी पर जारी अपने संदेश में कहा, पूरा फिलिस्तीन, विशेष रूप से गाजा और हमारे फिलिस्तीनी नागरिक दुश्मन के खिलाफ अपने प्रतिरोध के साथ एक नया इतिहास लिख रहे हैं।

इजरायल कई मोर्चों पर एक साथ लड़ रहा है युद्ध

हमास द्वारा 7 अक्टूबर, 2024 को किए गए हमले की पहली बरसी आने तक इजरायल कई मोर्चों पर युद्ध लड़ रहा है। अब उसका फोकस गाजा से लेबनान में शिफ्ट हो गया है। लेबनान के अलग-अलग हिस्सों में हिज्बुल्लाह को निशाना बनाते हुए इजरायली सेना की जमीनी कार्रवाई और वायुसेना के हवाई हमले जारी हैं। इजरायली कार्रवाई शुरू होने के बाद से अब तक लेबनान में 1000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, इनमें आधे से ज्यादा हिज्बुल्लाह के लड़ाके हैं। बेरूत में जमीनी कार्रवाई के दौरान हिज्बुल्लाह के साथ सीधी मुठभेड़ में इजरायल के भी कुछ सैनिक शहीद हुए हैं। पिछले 1 साल में 45000 से अधिक मौतों के बावजूद ऐसा लगता नहीं कि क्षेत्र में हिंसा का यह दौर कभी खत्म होने वाला है।

अब भी 101 बंधकों के बारे में नहीं चल सका पता

इजरायली रक्षा बलों ने 5 अक्टूबर, 2024 को गाजा शहर के बगल में स्थित जबालिया में हमास लड़ाकों को खत्म करने के इरादे से एक और अभियान शुरू किया। इजरायल ने कहा कि हमास जबालिया में फिर सिर उठाने की कोशिश कर रहा था। यह संभव है कि इजरायल के खिलाफ उसके दुश्मनों द्वारा एक और आतंकवादी हमला या सैन्य अभियान इलाके में संघर्ष की स्थिति को और भी भयावह बना सकता है। हमास ने 7 अक्टूबर, 2023 को इजरायल पर हमले के दौरान जिन 250 लोगों को बंधक बनाया था, उनमें से 101 बंधकों का अब भी पता नहीं चल सका है। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हाल ही में संयुक्त राष्ट्र में अपने संबोधन में इन बंधकों का जिक्र किया था। उन्होंने यह प्रतिबद्धता जाहिर की थी कि इजरायल आखिरी बंधक का पता लगाए बिना चैन से नहीं बैठेगा। गाजा में इजरायल का उद्देश्य हमास की सैन्य क्षमताओं और शासन को नष्ट करना और बंधकों को छुड़ाना है।

अपने युद्ध को अंजाम तक पहुंचा पाएगा इजरायल?

लेबनान के खिलाफ मोर्चा खोलने के पीछे इजरायल का लक्ष्य अपने उन 60,000 से अधिक नागरिकों को सीमा के पास अपने घरों में लौटने के लिए सुरक्षित महसूस कराना है, जिन्हें हिज्बुल्लाह के रॉकेट हमलों की जद में आने का डर सताता है। पिछले एक साल में इजरायल अपने दुश्मनों पर नकेल कसने में कामयाब रहा है, लेकिन अपने युद्धों को अंजाम तक पहुंचाने में सफल नहीं रहा है। इजरायली सैन्य अधिकारी भी यह स्वीकार करते हैं कि हमास और हिज्बुल्लाह के शीर्ष नेतृत्व को खत्म करने और उनकी सैन्य क्षमताओं को कुंद करने के बावजूद, ये दोनों मिलिशिया समूह फिलिस्तीन और लेबनान में एक ताकत बने रहेंगे। इस संघर्ष में ईरान की एंट्री से स्थिति और बिगड़ सकती है। इन सब तथ्यों को ध्यान में रखते हुए यही समझ में आता है कि इजरायल को निकट भविष्य में भी युद्धों और संघर्षों के लिए तैयार रहना होगा।

गुजरात में एक और आंदोलन! राज्य में वेतन वृद्धि की मांग को लेकर 10,000 टीआरबी जवान हड़ताल पर हैं

7 अक्टूबर

राज्य में ट्रैफिक डयूटी पर तैनात टीआरबी जवान पिछले कुछ समय से तय वेतन में बढ़ोतरी की मांग कर रहे हैं, लेकिन उनकी मांग पर संतोषजनक जवाब नहीं मिलने के बाद आखिरकार टीआरबी जवान अपनी मांगों को लेकर आज से हड़ताल पर चले गए हैं. जिसमें वेतन वृद्धि भी शामिल है।

जानकारी के मुताबिक, वर्तमान में टीआरबी में सेवारत जवानों को 300 रुपये प्रतिदिन वेतन मिल रहा है, जबकि जवान 500 रुपये प्रतिदिन की मांग कर रहे हैं. वहीं अब अहमदाबादके 1600 से ज्यादा टीआरबी जवानों समेत राज्यभर के करीब 10 हजार जवान ट्रैफिक प्वाइंट पर खड़े नहीं होंगे और निर्धारित स्थान पर ही धरना देंगे.

इसके अलावा टीआरबी जवानों के माध्यम से अहमदाबाद जिला कलेक्टर कार्यालय में याचिका दायर कर अपनी मांगें रखेगा. सरकार द्वारा चुनाव के दौरान वेतन बढ़ोतरी का वादा करने के बाद टीआरबी जवानों को कोई फायदा नहीं हुआ है, सिर्फ वादे किये जाते हैं. पूरे विवाद के एक साल बाद भी वेतन वृद्धि नहीं मिलने पर टीआरबी कर्मियों ने आखिरकार उग्र आंदोलन शुरू कर दिया है. टीआरबी जवानों ने बताया कि ऐसी मांग करने पर उन्होंने पहले भी उन्हें बर्खास्त करने की धमकी दी थी. ऐसे में टीआरबी जवानों में रिहा होने का डर है.

नवरात्रि पर AMC की बड़ी कार्रवाई, अहमदाबाद में गोल्डन गरबा पंडाल सील

अहमदाबाद 7 अक्टूबर

अहमदाबाद नगर निगमः नवरात्रि के दौरान सभी जगह पार्टी प्लॉटों में गरबा का आयोजन किया जा रहा है. अहमदाबाद नगर निगम की ओर से बड़ी कार्रवाई की गई है. जिसमें खबर मिली है कि अहमदाबाद के गोल्डन गरबा पंडाल को सील कर दिया गया है. जिसके चलते गरबा आयोजकों ने भागदौड़ शुरू कर दी है और गरबा प्रेमियों में निराशा है.

मिली जानकारी के मुताबिक, अहमदाबाद के सुवर्णा गरबा पंडाल में नवरात्रि का आयोजन किया गया है. फिर अहमदाबाद नगर निगम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए इसे सील कर दिया. सुवर्णा गरबा पंडाल के आयोजकों पर 2 लाख से अधिक का टैक्स बकाया पाए जाने पर पंडाल को सील कर दिया गया है। उधर, आयोजक दावा कर रहे हैं कि टैक्स की रकम चुका दी गई है।

गुजरात की सफल सर्वग्राही विकास यात्रा के 23 वर्ष की सफलता के उत्सव का 'विकास सप्ताह' प्रारंभ

गांधीनगर (ईएमएस) नरेन्द्र मोदी ने 7 अक्टूबर, 2001 को गुजरात के 14वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेकर राज्य की विकास यात्रा की करवट बदली थी। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में गुजरात की वर्ष 2001 से 2024 तक की 23 वर्ष की सर्वग्राही वैश्विक विकास यात्रा की सफलता की गाथा में जन भागीदारी को जोड़ कर 7 से 15 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले 'विकास सप्ताह' उत्सव का सोमवार को 'भारत विकास प्रतिज्ञा' से प्रारंभ हुआ है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल तथा राज्य मंत्रिमंडल के मंत्रियों, मुख्य सचिवों, वरिष्ठ सचिवों तथा अधिकारियों ने सोमवार को विधानसभा पोडियम में आयोजित सामूहिक प्रतिज्ञा पठन में शामिल होकर 'भारत विकास प्रतिज्ञा' ली। देश के प्रधानमंत्री के रूप में नरेन्द्र मोदी ने विकसित भारत के निर्माण का संकल्प किया है। उनके इस संकल्प को साकार करने में अपना संपूर्ण योगदान देने के लिए सभी ने मन-कर्म-वचन से तत्पर रहने के साथ देश के लिए समर्पण भाव की सामूहिक विकास प्रतिज्ञा ली। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल सहित मंत्रियों, मुख्य सचिव राज कुमार और वरिष्ठ सचिवों ने जो 'भारत विकास प्रतिज्ञा' ली है, उसमें कहा गया है कि –

मैं भारत के जिम्मेदार नागरिक के रूप में प्रतिज्ञा लेता हूँ कि...

* मैं अपने जीवन के प्रत्येक क्षण में देश के लिए समर्पित रहूंगा।

* मैं स्व का विचार करने से पहले सर्व का विचार करूंगा। मैं देश के सभी संसाधनों का उपयोग उचित ढंग से करूंगा। मैं देश के सर्वांगीण व समावेशी विकास के लिए निरंतर कार्यरत रहूंगा।

* मैं अपने देश की समृद्ध विरासत का गौरव करूंगा और उसका जतन करूंगा।

* मैं अपने देश के संवैधानिक मूल्यों का जतन करने के लिए सदैव प्रयासरत रहूंगा।

* मैं जाति व धर्म के सभी बंधनों से मुक्त रह कर, बंधुता की भावना के साथ अपने देश को प्राथमिकता दूंगा। मैं 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के मंत्र को साकार करने के लिए भारत की एकता व अखंडता के प्रति सदैव प्रतिबद्ध रहूंगा।

* मैं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा देखे गए विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए मन, वचन व कर्म से तत्पर रहूंगा। मैं 'राष्ट्र प्रथम' के मंत्र को जीवन मंत्र बना कर अपने देश के विकास एवं कल्याण के लिए तन-मन-धन से निरंतर प्रयासरत रहूंगा।

विकास सप्ताह उत्सव के अंतर्गत 'भारत विकास प्रतिज्ञा' ऑनलाइन ली जा सकती है। इसके लिए प्झ्ः/ /ज्तु.स्ब्दन्.ग्ह/र्ी-न्र्हे/ पोर्टल शुरू किया गया है। इसका लाभ राज्य के नागरिक ले सकेंगे और प्रतिज्ञा लेने संबंधी प्रमाणपत्र प्राप्त कर सकेंगे।

गुजरात सरकार मुश्किल में : अब 'फिक्स पे' सिस्टम खत्म करने की मांग हो रही है

7 अक्टूबर,

गुजरात में फिक्स्स पेः पुरानी पेंशन योजना की मांग पूरी कर सरकारी कर्मचारियों को दिवाली का तोहफा देने पर सरकार मुश्किल में है. सरकारी कर्मचारियों को खुशखबरी मिलने से पहले ही फिक्स्ड पे सिस्टम खत्म करने की मांग तेज हो गई है. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर फिक्स्ड पे प्रथा खत्म करना टॉप ट्रेंडिंग रहा। इस ट्रेंड में एक लाख लोगों ने इस हैशटैग पर पोस्ट कर अपना विरोध जताया. इस प्रकार, निश्चित वेतनभोगी सरकारी कर्मचारियों के भत्तों में भिन्न-भिन्न होते हैं।

गुजरात में फिक्स्ड पेमेंट सिस्टम को हटाने की मांग काफी समय से की जा रही है. महत्वपूर्ण बात यह है कि गुजरात अन्य राज्यों की तुलना में सबसे कम निर्धारित मजदूरी दे रहा है। इसी कारण से निश्चित वेतन प्रणाली का पुरजोर विरोध किया जाता है। किसी मान्यता प्राप्त भर्ती बोर्ड में प्रतियोगी परीक्षा उत्तीर्ण करने पर उम्मीदवार को नौकरी मिल जाती है। फिर पांच साल फिक्स सैलरी में गुजारने होंगे. एक निश्चित वेतन पर काम करने से कर्मचारी को भारी वित्तीय हानि होती है।

गौरतलब है कि, साल 2012 में गुजरात हाई कोर्ट ने फिक्स्ड पे सिस्टम को खत्म करने का फैसला सुनाया था. इस आदेश को चुनौती देते हुए राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है. मामला अभी भी सुप्रीम कोर्ट में है. उस समय विधानसभा में विपक्ष के नेता अमित चावड़ा ने 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए लिखा था कि, ''डबल इंजन की सरकार को फिक्स्ड वेतन प्रणाली को खत्म करना चाहिए और गुजरात के युवाओं को शोषण से मुक्त करना चाहिए, सरकार को वापस लेना चाहिए'' मामला सुप्रीम कोर्ट से है।ठ

फिक्स्ड पे सिस्टम खत्म करने का मुद्दा सोशल मीडिया पर छाया रहा. '' टॉप पर ट्रेंड कर रहा था. हैशटैग पर एक लाख लोगों ने पोस्ट कर विरोध जताया. फिक्स वेतनभोगी कर्मचारियों को बताया गया था कि रविवार (6 अक्टूबर) को कैबिनेट की बैठक में फैसला लिया जाएगा कि फिक्स वेतनभोगी कर्मचारियों का समय कम किया जाए, लेकिन यह अफवाह निकली. यह घोषणा कि केवल 2005 से पहले के कर्मचारियों को ही पुरानी पेंशन योजना का लाभ मिलेगा, इस घोषणा के कारण निश्चित वेतन वाले कर्मचारी बाहर हो गए।

वहीं, आप अध्यक्ष इशुदान गढ़वी ने चुनौती देते हुए कहा कि, 'अगर सरकार में ताकत है तो वह फिक्स्ड पे सिस्टम खत्म कर दे, अगर फैसला हो जाता है तो मैं जनता को बधाई दूंगा.' ऐसे में पुरानी पेंशन योजना का लाभ देना सरकार के गले की फांस बन गया है. अब फिक्स्ड पे सिस्टम खत्म करने के मुद्दे पर सरकार के खिलाफ कोई बड़ा आंदोलन हो तो आश्चर्य नहीं होगा.

पुरानी पेंशन योजना और निश्चित वेतन प्रणाली समेत अन्य लंबित मुद्दों को लेकर सरकार और सरकारी कर्मचारियों के बीच कई बार गतिरोध बना रहा. सरकार ने रविवार को छुट्टी के दिन अचानक कैबिनेट बैठक बुलाई और वर्ष 2005 से पहले भर्ती हुए कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना का लाभ देकर दिवाली का तोहफा दिया। लेकिन अभी भी सरकारी कर्मचारी सरकार के इस फैसले से संतुष्ट नहीं हैं.

गुजरात कर्मचारी संघ के अध्यक्ष विष्णुभाई पटेल कहते हैं, 'ज्यादातर कर्मचारी पुरानी पेंशन योजना से वंचित हैं. सरकार को तत्काल कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना का लाभ देना चाहिए क्योंकि लाखों कर्मचारी इस लाभ से वंचित हैं। कर्मचारी संघ की अगली बैठक 21 अक्टूबर को होने जा रही है. यदि सरकार ने यह मांग नहीं मानी तो प्रदेश भर में आंदोलनात्मक कार्यक्रम की घोषणा की जायेगी.

गैंगरेप पीड़िता से लूटे गए मोबाइल ने पुलिस को पहुंचाया आरोपियों तक, पांच गिरफ्तार

वडोदरा (ईएमएस) नवरात्रि की दूसरी रात वडोदरा से सटे भायली में नाबालिग लड़की के साथ गैंगरेप के मामले में पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया हैं गैंगरेप पीड़िता के लूटे गए मोबाइल से किए गए एक कॉल ने पुलिस को आरोपियों तक पहुंचने की राह आसान बना दी वडोदरा पुलिस आयुक्त नरसिम्हा कोमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि बीएनएस 2023 और पोक्सो एक्ट 2012 की धाराओं के तहत आरोपियों के मामला दर्ज किया गया हैं

वडोदरा पुलिस ने घटना के महज 48 घंटों के भीतर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया हैं जांच के दौरान घटनास्थल से मिले भौतिक साक्ष्य जैसे टूटे हुए धूप के चश्मे और पीड़िता का विवरण तथा पीड़िता से लूटे गए मोबाइल से किये गए एक कॉल ने पूरे मामले को सुलझाने में मदद की। वडोदरा के पुलिस आयुक्त नरसिम्हा कोमार ने कहा है कि मोबाइल सीडीआर, सीसीटीवी कैमरा फुटेज और मोटर साइकिल नंबर और आरोपियों के विवरण के आधार पर वे तीन आरोपियों का पता लगाने पुलिस को सफलता मिली। पुलिस आयुक्त ने कहा कि पुलिस द्वारा गिरफ्तार किये गये आरोपियों में 36 वर्षीय अल्ताफ बंजारा, 26 वर्षीय शाहरुख बंजारा और 27 वर्षीय मुन्ना अब्बास बंजारा समेत तीनों आरोपी उत्तर प्रदेश के मूल निवासी हैं जांच में पता चला कि ये तीनों आरोपी 10 साल पहले वडोदरा आए थे. ये लोग निर्माण कार्य में पीओपी का काम कर रहे थे आरोपियों ने 4 अक्टूबर को भायली में गैंगरेप की वारदात को उस वक्त अंजाम दिया जब पीड़ित नाबालिग लड़की अपने बचपन के साथ के साथ बैठी थी गिरफ्तार आरोपियों को वडोदरा शहर पुलिस ग्रामीण पुलिस को सौंपेगी और वही आगे की जांच करेगी इस मामले में दो अन्य आरोपी सैफअली बंजारा, अजमल सत्तार बंजारा से भी ग्रामीण पुलिस पूछताछ करेगी।

आदिवासी और अनुसूचित जनजाति आश्रम की छात्राओं ने लगाया आरोप

प्रिंसिपल ने किया 35 लड़कियों के साथ यौन शोषण

सूरत(ईएमएस)। सूरत जिले के नरेना आश्रम शाला में छात्राओं के यौन शोषण का मामला सामने आया है। यह आश्रम शाला आदिवासी और अनुसूचित जनजातियों के बच्चों के लिए है। यहां रह कर पढ़ाई कर रही 35छात्राओं ने आरोप लगाया है कि प्रिंसिपल योगेश पटेल ने उनका यौन शोषणकिया है। छात्राओं की शिकायत पर विभाग ने प्रिंसिपल योगेश पटेल के खिलाफ केस दर्ज कराया है।

आदिवासी और अनुसूचित जनजातियों के बच्चों के आश्रम शाला में माध्यमिक स्तर की शिक्षा के साथ-साथ रहने व खाने-पीने की सुविधा भी दी जाती है। सोमवार को आदिवासी विकास विभाग की टीम निरीक्षण के लिए शाला पहुंची तो महिला अधिकारियों को छात्राओं ने बताया कि प्रिंसिपल रात में टॉर्च लेकर उनके कमरे में पहुंच जाता था। वह उन्हें नहाते हुए भी देखता था। दवा देने के बहाने उनके साथ छेड़छाड़ करता था। आरोपी ने पांच-पांच, छह-छह छात्राओं के कई ग्रुप बना रखे थे, जिनसे आश्रम के अलग-अलग काम भी करवाता था। इस दौरान वह किसी न किसी बहाने उनके प्राइवेट पार्ट छूता था। उन्हें किस भी करता था।

प्राइवेट पार्ट पर चोट के निशान मिले

प्रिंसिपल द्वारा छेड़छाड़ की शिकार छात्राओं के बयान लेने के बाद पुलिस सभी 35 लड़कियों का मेडिकल टेस्ट करवा रही है। अब तक 6 छात्राओं का टेस्ट हो चुका है। इसमें एक 13 साल की छात्रा के प्राइवेट पार्ट पर चोट के निशान भी मिले हैं। महिला विभाग की टीम छात्रा से पूछताछ कर रही है। आदिवासी विभाग की एक अधिकारी ने बताया- छात्राएं अपने परिवार से दूर यहां रहती हैं। इसके चलते अब तक किसी ने भी आरोपी के खिलाफ मुंह खोलने की हिम्मत नहीं की। अब हमारी टीम ने उनमें विश्वास जगाया है। इसके चलते छात्राएं खुलकर अपनी तकलीफें बता रही हैं। अभी हम इसकी पुख्ता रिपोर्ट तैयार कर रहे हैं। जल्द ही प्रिंसिपल को कोर्ट में पेश कर उसे रिमांड पर लिया जाएगा।

डाकोर मंदिर ट्रस्ट का बड़ा फैसला, मंदिर में अब श्रद्धालुओं को मिलेगा निःशुल्क भोजन

अहमदाबाद (ईएमएस) विख्यात तीर्थस्थल डाकोर मंदिर ट्रस्ट ने मंदिर आनेवाले श्रद्धालुओं के हित में बड़ा फैसला किया हैं अब मंदिर आनेवाले सभी भक्तों को निःशुल्क भोजन प्रसादी उपलब्ध होगी। बता दें कि डाकोर मंदिर में रणछोड़रायजी के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं डाकोर मंदिर समिति द्वारा भविष्य के हित में एक बड़ा निर्णय लिया गया है। रणछोड़रायजी के दर्शन करने आने वाले भक्तों को भोजन मिले इसके लिए मंदिर समिति ने बड़ा फैसला लिया हैं श्री रणछोडरायजी मंदिर आनेवाले सभी भक्तों मुफ्त भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। मंदिर ट्रस्ट ने डाकोर दर्शन के लिए आने वाले सभी श्रद्धालुओं से प्रसादी का लाभ लेने की भी अपील की हैं डाकोर मंदिर में श्रद्धालुओं के मुफ्त भोजन व्यवस्था का शुभारंभ आज अहमदाबाद जगन्नाथ मंदिर के महंत दिलीपदासजी महाराज और डाकोर में डाकोर रणछोड़रायजी मंदिर के भंडारी महाराज द्वारा किया गया। रणछोड़राय मंदिर के निकट गौशाला के निकट यात्री निवास के अंतर्गत श्रद्धालुओं के लिए निःशुल्क भोजन की व्यवस्था की गई है।

सड़क पर उतरा मुस्लिम समुदाय, भायली गैंगरेप के आरोपियों को फांसी की सजा देने की मांग की

वडोदरा (ईएमएस) पिछले सप्ताह वडोदरा के भायली में नाबालिग लड़की के साथ गैंगरेप की घटना को लेकर लोगों में जबर्दस्त आक्रोश है और आरोपियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही करने की मांग कर रहे हैं बता दें कि गत 4 अक्टूबर को भायली में नाबालिग लड़की के साथ हुए दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया हैं पकड़े गए सभी आरोपी मुस्लिम समुदाय के हैं इस खुलासे के बाद अब मुस्लिम समुदाय के लोग सड़कों पर उतर आए हैं और आरोपियों को फांसी की सजा देने की मांग कर रहे हैं मुस्लिम समुदाय का करना है कि ऐसे 5 प्रतिशत लोगों के कारण पूरा समुदाय बदनाम होता हैं जानकारी के मुताबिक वडोदरा के वासना पेट्रोल पंप चौराहे पर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने इकट्ठा होकर आरोपियों के खिलाफ जमकर विरोध प्रदर्शन किया मुस्लिम समुदाय के युवाओं और नेताओं ने तख्तियां और बैनर लेकर विरोध दर्ज कराया और सभी आरोपियों को फांसी देने की मांग की इस घटना को लेकर मुस्लिम समाज के नेता ने कहा कि सामूहिक दुष्कर्म की घटना से समाज का नाम खराब हुआ हैं ऐसी घटना दोबारा न हो इसके लिए ऐसे हैवानों को फांसी पर लटकाया जाए हमारी मांग है कि कोर्ट भायली में हुई इस घटना के सभी आरोपियों को फांसी दें एक सामाजिक कार्यकर्ता ने कहा कि हम पीड़िता लड़की के साथ हैं और मांग है कि आरोपियों को फांसी की सजा दी जाए अगर अदालत आरोपियों को मौत की सजा नहीं दे सकती तो उन्हें हमें सौंप दें और हम उन्हें सार्वजनिक रूप से फांसी देंगे। सामाजिक कार्यकर्ता ने कहा कि जो लोग शराब पीते हैं या लड़कियों से छेड़छाड़ करते हैं वे मुसलमान नहीं हैं। उन्हें हमारे हवाले कर दो हम उन्हें पत्थरों से मार डालेंगे। किसी की भी बेटी तो बेटी ही होती हैं स्थानीय लड़की ने कहा कि भायली की घटना से हम वडोदरा को सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे हैं अगर ये लोग मुस्लिम हैं तो इन्हें शरिया कानून के मुताबिक सजा मिलनी चाहिए

सडक़ हादसे में 6 की मौत, 35 जख्मी

अंबाजी (ईएमएस)। गुजरात के प्रसिद्ध तीर्थस्थल अंबाजी में सोमवार सुबह भीषण सडक़ हादसा हो गया। इसमें 6लोगों की मौत हो गई, जबकि 35 से ज्यादा घायल हो गए। 5-6 लोगों की हालत गंभीर है। बस में 50 से ज्यादा यात्री सवार थे। हादसा अंबाजी के त्रिशूलिया घाट पर उस वक्त हुआ, जब बस अनियंत्रित होकर घाटी की रेलिंग से टकरा कर पलट गई। घायलों को पालनपुर और अंबाजी के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एक यात्री ने बताया कि घाट पर बस चढ़ाते समय ड्राइवर मोबाइल से रील बना रहा था। हम लोगों ने उसे मना भी किया था, इसके बावजूद इसके वह रील बनाने में मशगूल रहा।

त्रिशूलिया घाट के निकट बस पलटने से 6 लोगों की मौत, 35 से ज्यादा यात्री घायल

बनासकांठा (ईएमएस) शक्तिपीठ अंबाजी के निकट त्रिशूलिया घाट पर फिर एक बार दुर्घटना हुई हैं त्रिशूलिया घाट के निकट यात्रियों से भरी बस पलट गई इस घटना में 6 यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 35 से ज्यादा लोग घायल हो गए हादसे के बाद एंबुलेंस समेत पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई और आगे की कार्यवाही शुरू कर दी जानकारी के मुताबिक बनासकांठा जिला स्थित विख्यात शक्तिपीठ अंबाजी से यात्रियों को लेकर एक बस दांता की ओर जा रही थी रास्ते में त्रिशूलिया के निकट बस अचानक पलटी खा गई दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत एंबुलेंस 108 को हादसे की सूचना दी खबर मिलते ही पालनपुर, दांता, अंबाजी से एंबुलेंस घटनास्थल पर पहुंच गई और घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया जानकारी है कि इस हादसे में 6 लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई जबकि 35 जितने यात्रियों के घायल होने की खबर हैं हादसे के शिकार मृतक और घायल खेडा जिले के कठलाल निवासी होने का पता चला हैं हादसे के बाद एसपी और डीवायएसपी समेत पुलिस काफिला मौके पर पहुंच गया और आगे की कार्यवाही शुरू की त्रिशूलिया घाट के मोड पर बस चालक के स्टेयरिंग से नियंत्रण गंवा देने से हादसा होने की आशंका हैं

गुजरात के इस पुलिस थाने को मिला सर्वश्रेष्ठ पुलिस थाने का खिताब

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए गुजरात पुलिस द्वारा अच्छे प्रयास किए जा रहे हैं। हर साल राज्य के सर्वश्रेष्ठ थाने का पुरस्कार दिया जाता हैं अबकी बार पोरबंदर के कमलाबाग पुलिस थाने को सर्वश्रेष्ठ पुलिस थाने के रूप में चुना गया हैं मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने पोरबंदर के कमलाबाग पुलिस स्टेशन को साल 2024 के लिए राज्य का सर्वश्रेष्ठ पुलिस स्टेशन चुना हैं पोरबंदर कमलाबाग पुलिस स्टेशन के पीआई कानमिया को मुख्यमंत्री द्वारा विशेष पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कारण उन्होंने महज तीन महीने में मॉडल थाना बनाया हैं 1986 से बंद पड़े पुराने रिकार्ड बक्सों के रंगीन बक्सों को व्यवस्थित किया गया है, कॉन्फ्रेंस हॉल, पुलिस स्टेशन की दीवारों पर नये रंगों में महिला जागरूकता पेंटिंग करायी गयी है। थाने को पेपरलेस की ओर आगे बढ़ाया है। कमलाबाग पुलिस स्टेशन को वर्ष 2024 का सर्वश्रेष्ठ पुलिस स्टेशन चुना गया है। इसलिए कमलाबाग पुलिस स्टेशन को मुख्यमंत्री द्वारा सर्वश्रेष्ठ पुलिस स्टेशन का पुरस्कार दिया गया है। मूल शिक्षक और अब पीआई के रूप में राजेश कानमिया के प्रदर्शन की सांसद मनसुख मांडविया ने भी सराहना की है। पिछले तीन महीनों में पीआई कानमिया ने कमलाबाग पुलिस स्टेशन का कायापलट कर दिया हैं पोरबंदर सांसद मनसुख मांडविया, विधायक अर्जुन मोढवाडिया और रेंज आईजी भी विशेष दौरे कर चुके हैं

अहमदाबाद मण्डल ने रेलवे स्टेशनों और रेल पटरियों की स्वच्छता पर दिया जोर

अहमदाबाद (ईएमएस) पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मण्डल पर 01 अक्टूबर, 2024 से 15 अक्टूबर 2024 तक ''स्वच्छता पखवाड़ा'' मनाया जा रहा है। इस पखवाड़े के दौरान रेलवे स्टेशनों और रेल पटरियों की स्वच्छता सम्बंधी विभिन्न गतिविधियां लगातार की जा रही हैं। अहमदाबाद मण्डल पर 07 अक्टूबर 2024 को 'स्वच्छ पटरी'' की थीम पर डिविजन के सभी प्रमुख स्टेशनों पर रेलवे ट्रैकों और स्टेशनों की व्यापक रूप से साफ सफाई की गई। रेलवे ट्रैक के आसपास उग रही घास को हटाया गया। साथ ही ड्रैनेज को चोक होने से रोकने के लिए ट्रैक के बीच की नालियों को भी अच्छे से साफ किया गया। 5 व 6 अक्टूबर 2024 को मंडल पर 'स्वच्छ रेलगाड़ी' की थीम पर रेलगाड़ियों, उसके अन्दर के शौचालयों एवं सवारी डिब्बों की मशीनों से साफ सफाई की गई। गाड़ियों से एकत्रित प्लास्टिक व अन्य कचरे का समुचित रूप से निपटान किया गया। यात्रियों को कचरा सही जगह पर कचरा पेटी में डालने के लिए प्रोत्साहित किया गया। स्टेशन यार्डों की साफ-सफाई करायी गई। ट्रेन के डिब्बों में पानी के नलों के लिकेज को जांचा गया एवं तुरन्त उसे ठीक करने हेतु कार्यवाही की गई। इस पखवाड़े के अंतर्गत रेलवे को साफ़ सुथरा रखने,एकल उपयोग पॉलिथीन का उपयोग नहीं करने, प्लास्टिक प्रदूषण रोकने पर जोर दिया जा रहा है रेलवे स्टेशन,कार्यालयों / रेलवे परिसर, प्लेटफोर्म, पैदल पुल इत्यादि स्थलों पर गन्दगी फेलाने वालों को समझाया जा रहा है।

नदी तट पर बरामद हुई 120 करोड़ की कोकीन

गांधीधाम (ईएमएस)। गुजरात के कच्छ जिले के गांधीधाम शहर के पास नदी क्षेत्र से 12 किलोग्राम कोकीन के दस पैकेट बरामद किए गए हैं। इन पैकेट की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 120 करोड़ रुपये है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। कच्छ-पूर्व के पुलिस अधीक्षक सागर बागमार ने कहा, पुलिस की शुरुआती जांच से पता चलता है कि तस्करों ने गिरफ्तारी के डर से बचने के लिए मादक पदार्थ को नदी के किनारे छिपाया। बागमार ने कहा, एक गोपनीय सूचना के आधार पर पुलिस ने रविवार की रात नदी तट क्षेत्र की तलाशी ली और 10 मादक पदार्थों के पैकेट बरामद किए, जिनमें कोकीन थी। ये कोकीन शायद तस्करों ने छिपाई थी। पुलिस ने कहा कि आगे की जांच जारी है।

इस साल जून में आतंकवाद रोधी दस्ता (एटीएस) और स्थानीय पुलिस की एक संयुक्त टीम ने उसी क्षेत्र में 13 कोकीन के पैकेट बरामद किए थे, जिनकी कीमत 130 करोड़ रुपये थी। पिछले साल सितंबर में कच्छ-पूर्व पुलिस ने उसी नदी के क्षेत्र में एक किलोग्राम के 80 कोकीन के पैकेट बरामद किए थे, जिनकी कुल कीम 800 करोड़ रुपये थी।

गुजरात नौसेना क्षेत्र के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग रियर एडमिरल ने मुख्यमंत्री से भेंट की

गांधीनगर (ईएमएस) गुजरात, दमन और दीव नौसेना क्षेत्र के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग रियर एडमिरल सतीश वासुदेव ने सोमवार को गांधीनगर में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल से शिष्टाचार भेंट की। 1993 में भारतीय नौसेना से जुड़े श्री सतीश वासुदेव 2024 के अगस्त महीने में गुजरात, दमन और दीव नौसेना क्षेत्र के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग के रूप में नियुक्त किए गए हैं। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के साथ अपनी इस शिष्टाचार मुलाकात के दौरान उन्होंने राज्य की 1600 किमी लंबी तटरेखा की रणनीति को लेकर विचार-विमर्श किया।

अहमदाबाद की एयरोट्रांस सर्विसीस ने चार धाम में हेलीकॉप्टर सेवाएं शुरू कीं

अहमदाबाद स्थित एयर चार्टर कंपनी, एयरोट्रांस सर्विसीस ने 6 अक्टूबर 2024 को चार धाम में हेलीकॉप्टर चार्टर सेवाएं शुरू कीं। ये सेवाएं यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ के साथ-साथ देहरादून के आसपास अतिरिक्त हेली कॉप्टर चार्टर को कवर करती हैं।

एयरोट्रांस चार धाम में काम करने वाली गुजरात की पहली कंपनी है, जो तीर्थयात्रियों और यात्रियों के लिए सुविधाजनक हवाई परिवहन प्रदान करती है।

चार धाम हेलीकॉप्टर चार्टर सीजन हर साल मई-जून और सितंबर-अक्टूबर के आसपास उपलब्ध होता है औरप्रत्येक सीजन लगभग 45 दिनों तक चलता है। प्रत्येक सीजन की शुरुआत और समाप्ति की तिथियाँ उत्तराखंड सरकार द्वारा निर्धारित की जाती हैं।

मौजूदा सितंबर-अक्टूबर 2024 सीजन के लिए एयरोट्रांस की बुकिंग पहले ही बिक चुकी है। मई-जून 2025 सीजन के लिए बुकिंग जनवरी 2025 में शुरू होगी।

पूछताछ के लिएः Charter @aerotrans.in वेबसाइटः www.aerotrans.in

गोदरेज इंटेरियो ने ऑफिस कामकाज में दक्षता बढ़ाने के लिए पेश किए नए ऑफिस स्टोरेज सॉल्यूशन - 'रिजर्व प्लस' और 'गेन प्रो'

मुंबई, 7 अक्टूबर 2024: गोदरेज एंटरप्राइजेज समूह की इकाई गोदरेज एंड बॉयस के घर और कार्यालय फर्नीचर संबंधी बिजनेस गोदरेज इंटेरियो ने मॉडयूलर और सुंदर ढंग से डिजाइन किए गए ऑफिस स्टोरेज सॉल्यूशन की दो अभिनव रेंज लॉन्च की हैः 'रिजर्व प्लस' और 'गेन प्रो'। इन स्टोरेज सिस्टम को किसी भी ऑफिस फर्नीचर कॉन्फ़िगरेशन के साथ सहजता से तालमेल कायम करने के लिए डिजाइन किया गया है। इनके उपयोग से कार्य सम्बन्धी क्षमताएं बढ़ती हैं और कार्यस्थल से जुडी दक्षता को भी और बेहतर करते हुए अपने अनुकूल किया जा सकता है।

इस अभिनव अवधारणा पर टिप्पणी करते हुए, गोदरेज इंटेरियो के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट और 2 व्यवसाय के हैड समीर जोशी ने कहा, ठगोदरेज इंटेरियो में, हम ऐसे उत्पाद बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो लोगों की सुविधा और उनकी उपयोगिता पर फोकस करते हैं और कार्यस्थलों के लिए अनुकूल स्पेस सॉल्यूशन प्रदान करते हैं। एर्गोनॉमिक रूप से डिजाइन किए गए 'रिजर्व प्लस' और 'गेन प्रो' सिस्टम परेशानी मुक्त कार्यस्थलों और स्थान अनुकूलन पर ध्यान केंद्रित करते हैं। उनकी ख़ूबसूरती और शानदार डिज़ाइन उन्हें विशेष रूप से इंटीरियर डिज़ाइनरों, वास्तुकारों और ऐसे उपभोक्ताओं के लिए आकर्षक बनाती है जो अपने अनुकूल स्टोरेज सॉल्यूशन चाहते हैं।

बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने की सचिन तेंदुलकर के साथ शानदार साझेदारी, बनाया वैश्विक ब्रांड एंबेसडर

मुंबई, 07 अक्टूबर, 2024: बड़े वैश्विक नेटवर्क वाले भारत के सबसे भरोसेमंद बैंकों में से एक, बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने आज क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर को बैंक के वैश्विक ब्रांड एंबेसडर के रूप में अनुबंधित किए जाने की घोषणा की। सचिन तेंदुलकर और बैंक ऑफ़ बड़ौदा के बीच यह साझेदारी बैंक के उत्कृष्टता और विश्वास जैसे बुनियादी मूल्योंपर आधारित है। यह साझेदारी एकऐसे समय पर हुई हैजब बैंक ऑफ़ बड़ौदा व्यवसाय विकास की दिशा में तेजी से आगे बढ़ने के एक नए चरण में प्रवेश करने वाला है और सचिन की ब्रांड वैल्यू से इसे नई गति मिलेगी।

बैंक ऑफ़बड़ौदा सचिन के साथ मिलकर अपने पहले अभियान प्लेद मास्टरस्ट्रोक की शुरूआत कर रहा है। यह अभियान लोगों को प्रेरित करेगा कि वे एक मास्टरस्ट्रोक खेलें और एक सदी से अधिक की विरासत औरकरोड़ों लोगों के भरोसे पर खरे बैंक से जुड़कर अपने आर्थिक लक्ष्यों की पारी में एक बड़ा स्कोर बनाएं।

इस साझेदारी के बारे में बात करते हुए, बैंक ऑफ़ बड़ौदा के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री देबदत्त चांद ने कहा, ठभारत के खेल दिग्गजों में से एक सचिन तेंदुलकर को अपना वैशविक ब्रांड एंबेसडर घोषित करना बैंक ऑफ़ बड़ौदा के लिए बहुत गौरव का क्षण है। सचिन एक वैश्विक आइकन हैं जिन्होंने हमेशा उदाहरण प्रस्तुत करते हुए नेतृत्व किया है और अपने खेल से हमें प्रेरित किया है। जिस तरह उन्होंने अपने बेहतरीन कॅरियर के माध्यम से एक समूचे राष्ट्र को प्रेरित किया है, उसी तरह बैंक ऑफ़ बड़ौदा देश भर में करोड़ों लोगों के लिए एक विश्वसनीय साझेदार रहा है और उनके वित्तीय लक्ष्यों की प्राप्ति में सहायक बन रहा है।

पश्चिम रेलवे - राजकोट मंडल

सिग्नल एवं दूरसंचार कार्य

ई-निविदा सूचना संख्या : DRM-RJT-24-25-SnT-E-12 DT - 30-09-2024 निविदा संख्या : DRM-RJT-24-25-SnT-E-12 **कार्य का नाम :** राजकोट मंडलः अमृत स्टेशन योजना के तहत जामनगर स्टेशन के सॉफ्ट अपग्रेडेशन/सुधार के संबंध में विभिन्न दूरसंचार यात्री सुविधाओं और उपयोगिता स्थानांतरण का प्रावधान। **कार्य की अनुमानित लागत :** ₹1,05,18,716.76 निविदा अनुभाग एसआरडीएस टीई/आरजेटी बोली शैली सिंगल रेट(₹ एक करोड़ पांच लाख अठारह हजार सात सौ सोलह रुपये और छिहत्तर पैसे केवल) **बयाना जमा राशि :** ₹2,02,600/- (दो लाख दो हजार छह सौ केवल) **निविदा फॉर्म शुल्क :** ₹00.00 (शून्य) पैरा-3, जीसीसी-जुलाई-2022 के अनुसार। **ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि और समय :** दिनांक 30-10-2024 को 15:30 बजे तक. **कार्यालय का पता :** मंडल रेल प्रबंधक (एस एंड टी), पश्चिम रेलवे, कोठी कंपाउंड, राजकोट - 360001. **वेबसाइट विवरण :** www.ireps.gov.in 102

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोनः 079-22921482 Mob.9375504122 , 9327086467 R.N.I. 63177/ 95